चेतना संदेश

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उत्तिष्ठित जागृत

तैलिक समाज दिग्दर्शक

तैलिक महा कुम्भ, झाँसी में सम्मानित मंच व कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण पेज नं. 44 पर

समाज की दशा एवं दिशा का व्यवहारिक आंकलन एवं मार्गदर्शक के रूप में रचनात्मक पहल

E-mail : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
Website : www.tailik.org.

If undelivered please return to :
Shubham Theatre Building
Cantt. Road, Kaiserbagh, Lucknow-01
0522-2628182, 9451403835

UMESH N. SHAHU
M.A.

- **National President-** (Youth) Bhartiya Tailik Sahu Rathor Mahasabha (Reg.)
- **National President-** All India Sahu Vaish Mahasabha Vivah Prakoshth (Reg.)
- **National Vice President-** All India Vaish Mahasabha (Reg.)
- **State Vice President-** Maharashtra Prantik Teli Samaj Mahasabha
- **Organiser & Acting President-** Sahu Adarsh Samuhik Vivah & Parichay Sammelan Nagpur.
- **General Secretary-** Nagpur City(District) Congress Committee
- **Director** - Shahu's Garden High School & Junior College, Nagpur.
- **Director** - Prameshti Mentally Retarded Children's School, Nagpur.
- **Director**- Priyadarshini Indira Gandhi Prathmik School, Nagpur.
- **Director**-Shahid Kakade Prathamik & Madhyamik School Nagpur.
- **Business Representative** - Nag-Vidarbha Chamber of Commerce, Nagpur.
- **Director** - Nagpur Chambers of Commerce
- **Director** - Shiv Priya Sahakari Bank Ltd. Nagpur.
- **President** - Sanskruti Co.-Operative Housing Society Ltd., Nagpur.
- **Special Executive Officer** - Government of Maharashtra

Shahu's™
Group of Business & Education

Directors & Proprietors

SMT. SUSHMA UMESH SHAHU
Principal (B.A, B.Ed)

RAHUL UMESH SHAHU
Director (B.Com,M.B.A.)

SUBHASH N. SHAHU
Proprietor

SMT. SUJATA SUBHASH SHAHU
Director (B.A)

SATISH N. SHAHU
Proprietor

SMT. ANAMIKA SATISH SHAHU
Principal (M.Sc, M.Ed)

Resi.: 480, Shahu Bhavan, Opp. State Bank of India, Medical College Sq.,
Nagpur-9(M.H.) Phone : 0712-2747968, 2703322

Off. : Shahu Garden, Manewada Cement Road, Nagpur-27. (M.H.)
Office : 0712- 2751151, 3246796, 2760910, 2777677,2742930, 3292005,
Fax : 0712- 2704103
Mobile : 09422114433, 09373102064, 09822226355, 09823147968

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

द्वारा प्रकाशित पत्रिका

चेतना संदेश

मुख्य संरक्षक,संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष :
गांधी रामनरायन साहू (पूर्व सांसद)
मोबाइल– 09695130007

संरक्षक मण्डल :
डॉ0उमेश नंदलाल शाहू
नागपुर– # 09422114433
श्रीमती मानसी साहू, एडवोकेट (सुप्रीमकोर्ट)
दिल्ली– # 09868149873
मेवा लाल साहू
ग्वालियर– # 08959136930
अरविंद गांधी, एडवोकेट
बलिया, उ.प्र. – # 09415813210
प्रवीण कारपोले गाण्डला तेली
हैदराबाद – # 09390100002
एस.गोकुल राज
त्रिपुरा, तमिलनाडू– # 09344698098
महेश चन्द्र साहू
दिल्ली – # 09350516675
ललित राठौर
रूद्रपुर, उत्तराखण्ड – # 09690455226

प्रधान सम्पादक :
जितेन्द्र माथुर
लखनऊ– # 09936241320

सम्पादक :
रमाशंकर गुप्ता, एडवोकेट
लखनऊ– # 09451403835

सह–सम्पादक :
गांधी शिवसागर साहू
लखनऊ– # 09452572336

विधिक–सलाहकार :
मनोज साहू, एडवोकेट
लखनऊ– # 09450750386

परामर्शदाता समिति :
मोहनलाल गुप्ता
लखनऊ– # 09415576867
जैकिशन साहू
गाज़ीपुर – # 09415241047
डी0सी0 गुप्ता
लखनऊ – # 09450638204
श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू
फतेहपुर,(उ.प्र.) – # 07309155011

प्राक्कथन

आज का काम कल पर न टालें

व्यक्ति में काम को टालने की एक बुरी आदत होती है। अपनी इसी आदत के कारण हम कभी-कभी अपने बनते हुये कामों को बिगाड़ बैठते हैं जिससे हमारी बड़ी हानि हो जाती है और कभी-कभी तो अपनी मंजिल तक पहुंचते-पहुंचते रह जाते हैं। जिन प्रश्नों का उत्तर हमें आज देना चाहिए इसे कल पर टाल देते हैं और कल, फिर कल। जो काम हमें आज करने हैं, वे कल भी उतने ही महत्व के रहेंगे यह कहा नहीं जा सकता है। जिस व्यक्ति में टालमटोल का यह रोग लग जाता है, वह अपने जीवन में अच्छा प्रभाव नहीं ला सकता है। टालने की आदत वाला मनुष्य परिस्थितियों का शिकार भी हो सकता है। यदि आप अपने कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से और उत्साहपूर्वक करते रहे तो कार्य का भार अधिक प्रतीत नहीं होगा।

अतः किये हुए कामों पर गर्व का अनुभव करिये। जो काम शेष है उन्हें करने में पीछे न रहिए। काम को बेगार समझकर और बे मन से न करें। आपके शरीर में स्फूर्ति और मन में ताजगी रहने पर ही ऐसा होना सम्भव है। अपने प्रति विश्वास और श्रद्धा उत्पन्न करें।

-गांधी रामनरायन साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक

प्रकाशक : **भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)**
कार्यालय :
शुभम थियेटर बिल्डिंग,कैण्ट रोड़, कैसरबाग लखनऊ–226001
फोन : 0522–2628182, वेब साईट : www.tailik.org.
ई–मेल : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

मुद्रक : एक्स्ट्रीम एडवारटाइजिंग, लखनऊ
फोन : 0522–4000788, मो. +919839075611

अंक- द्वादशम्

सहयोग राशि : ₹ 25/-

अनुक्रमणिका

न.	लेख का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	इस विडम्बना का अन्त	3
2.	सम्पादकीय	3
3.	राज्य सभा में दिया गया अभिभाषण	4
4.	सपनों के लिए सघर्ष...	5–6
5.	पद की गरिमा	6
6.	आज की आवश्यकता...	7–9
7.	जुड़ो जोड़ो और जीतों	9
8.	शिष्टाचार सफलता का आधार	11
9.	मेरे स्वजातिय भाईयो बहनों	11
10.	अशिक्षा पिछ्डेपन का कारण	13
11.	सास बहू का रिश्ता अनमोल	15
12.	सशक्त महिला सशक्त देश	17
13.	समाज सेवा राष्ट्र सेवा	19
14.	आध्यात्मिक शिक्षा	21
15.	अंतस और अध्यात्मका– घट–घट में कुंभ–18 मई 2016	23
16.	मांगलिक कार्यो मे कलश का महत्व	25
17.	(ARISE & AWAKE TILL YOU DON'T ACHIEVE THE GOAL)	27–28
18.	जन्म दिवस अवश्य मनायें	28
19.	बाल्यावस्था मे दस्त	29
20.	कन्धों पर खड़ा होना	30
21.	सोशल इंजीनियरिंग	30
22.	बेटी	31
23.	जिनका अन्तस प्रिय	31
24.	हे समाज के बन्धु	33
25.	आरती मॉ कर्मा माता की	33
26.	सभ्य एवं शिष्ट जीवन के लिए आवश्यक शिष्टाचार	35
27.	देश पर मडंराता बेरोज़गारी का......	36–37
28.	जानिए भारतीय संविधान अनुच्छेद 370 को	39
29.	जागों फिर एक बार	40–41
30.	तैलिक समाज के विभिन्न क्रिया–कलाप	42–43
31.	तैलिक समाज महाकुम्भ,झांसी (कवर पेज का विवरण)	44
32.	सामूहिक विवाह एक चेतना	49–50
33.	सकारात्मक चिंतन का महत्व एंव प्रभाव	51–52
34.	युवा –वर्ग में समाज चेतना की आवश्यकता	53
35.	सहयोगी सदस्यता स्वीकृति–पत्र	54
36.	स्वजातीय बन्धुओं से निवेदन	55
37.	समाचार पत्रों की सुर्खियाँ	56

पत्रिका में विज्ञापन दर

रंगीन पृष्ठ 2 व 3 रू. 4,000/-, पृष्ठ 4 रू. 5000/-

पूरा पृष्ठ ब्लैक एण्ड व्हाइट रू. 1,000/-, आधा पृष्ठ रू. 500/-, चौथाई पृष्ठ रू. 300/-

• भाग्य से परिस्थितिया मिलती है मनुष्य उन्हें अनुकूल व प्रतिकूल बनाता रहता है।

इस विडम्बना का अन्त कब होगा?

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास और मानवीय समाज के उन्नयन की गाथा हमें शोषण विहीन और समतायुक्त परिवेश उत्पन्न करने का संदेश देती है। स्वाभविक है कि ऐसी मनो–भूमिका उन व्यक्तियों के चिन्तन एवं अनुभव के आधार पर उभरा हुआ स्वप्न होगा जिसे साकार रूप देन के लिए गौतम, महावीर, सुकरात मार्क्स और गांधी आदि बन गये जो जन सामान्य से जुड़ा वह सामान्य से असामान्य बन गया। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पुजारी कालान्तर में स्वयं पूज्य बन जाता है और फिर इसके अनुयायी उसका नाम लेकर अपनी दुकान चलाने लग जाते है। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उतरे अनेक ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण उपलब्ध है जिन्होंने शोषण, उत्पीड़न और असमानता के विरूद्ध लड़े जा रहे युद्ध को रोककर शोषितों–पीड़ितों को अपना स्वार्थ सिद्ध करने का साधन बनाया। प्रत्येक चिन्तन राजनीति के चौखट पर आकर मत्था टेक देता है।

किसी भी रचनात्मक कार्य की सार्थकता तभी मानी जाती है जब वह सत्ता की राजनीति को प्रभावित करे। हमारे समाज के प्रति सदियों से चला आ रहा यह छल और अपराध अब समाप्त होना चाहिए। हमारे समाज के जन–जन में ऐसी सामाजिक संवदेना का प्रस्फुटन होना आवश्यक है। शोषित पीड़ित और उपेक्षित समाज जनों के बीच पहुंचकर उपकार करने की अहमान्यता से नहीं अपितु सेवा की पवित्र भावना से प्रेरित–होकर उनके बीच जाकर काम करने की आवश्यकता है। सेवकों को कृतज्ञता का अनुभव करना चाहिए कि समाज के दरिद्रनारायण ने उन्हें सेवा का अवसर दिया। ऐसे असंख्य दीप जब स्वयं जलेंगे तब सदियों से चला आ रहा यह संमास समाप्त होगा अन्यथा नारे लगते रहेंगे और तालियां बजती रहेगी।

–जितेंद्र माथुर
प्रधान सम्पादक

सम्पादकीय

महिला की महिमा

यत्र नार्यास्त पूजयन्ते, रहन्ते यत्र देवता।

जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं यही है हमारी भारतीय संस्कृति परन्तु क्या यह यथार्थ है। नारी को शक्ति मान कर पूजने वाले इसे देश में नारी की शक्ति का मूल्य होता दिखाई नही दे रहा है। खास कर विवाह के उपरान्त महिलाओं का श्रेय व्यर्थ जा रहा है। आज भी घर की दहलीज पार कर कार्य के लिए महिलाओं का निकलना सही नहीं माना जाता, किन्तु अब परिस्थति व परिदृश्य मे दोनों में ही बदलाव आया है। शिक्षा ने यह बदलाव लाकर महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए कोई कसर बांकी नहीं रखी। लेकिन हमारा समाज काफी पिछड़ा हुआ है। कहीं बाल विवाह, दहेज प्रथा, महिला शिक्षा का विरोध जैसे कुरीतियों से आज तक छुटकारा नहीं मिल पाया है महिला शब्द तीन अक्षरों से मिल कर बना है जिसका शब्दिक अर्थ–म–महान, हि–हिम्मत वाली, ल–लाजवंती महिला महान है क्योंकि वह सृष्टि की सृजनकर्ता है घर को सजाती सवांरती है माँ होने का सौभाग्य महिला को प्राप्त है अपने बच्चों के अच्छे संस्कार देकर उसके जीवनल को सुखद, सुन्दर बनाती है महिला हिम्मत वाली है दुख मे धैर्य के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करती है लाजवन्ती–लज्जा महिला का विशेष गुण है मर्यादा में रहकर सभी कत्वयों का पालन करती है। अपनी शक्ति का सद्उपयोग कर समाज व राष्ट्र की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान कर आगे बढ़ा रही है।

माँ कर्मा की पावन जयन्ती पर हम संकल्प करे महिलाओं का सम्मान करेंगे। समाज के विकास हेतु आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

–रमाशंकर गुप्ता
सम्पादक

• जब तक हम जान पाते हैं कि जिन्दगी क्या है तब तक ये आधी खत्म हो चुकी होती है।

राम नरायन साहू भाषण राज्य सभा

श्री राम नरायन साहू का दिनांक 12-03-2007 को राज्य सभा मे दिया गया अभिभाषण

श्री लालू प्रसाद : जब ग्लास नहीं मिला तो चुल्लु तो था?....(व्यवधान)....

श्री एस०एस० अहलुवालिया : हमें चिरोरी करने की आदत नहीं हैं। ....(व्यवधान)....

श्री लालू प्रसाद : हम स्वेदेशी की बात करते हैं और बोलते हैं कि भाई इन्फेक्शन हो जाए, यह हो जाए , एक गिलास को कोई आदमी इस्तेमाल करते है। सबसे बढ़िया तो अपना चुल्लु है।

श्री एस०एस० अहुवालिया : चुल्लु से पीने की आदत नहीं है।

श्री राम नारायण साहू : सर, जो सुविधा की बात है। अगर आप फर्स्ट ए०सी० में एंट्री लेने के लिए दरवाजा खोलें , तो आपकी कालीन पल्टी हुई मिलेगी, आधी कालीन पल्टी हुई मिलेगी, इसके लिए या तो दरवाजा जरा ऊपर बनाया जाए, जिससे कि वह कालीन के ऊपर चला जाए अथवा वह दो सूत नीचे रहे ,जिससे कि कालीन बराबर रहे। हम फर्स्ट ए०सी० में जाते हैं, इतनी कीमती कालीन पड़ी रहती है। यह क्या व्यवस्था है , क्या इंतजाम है?

ट्रेनो में गन्दगी के बारे में कई लोगो ने बताया है इसलिए मैं उसको रिपीट नहीं करना चाहता हूँ । जहाँ तक रंगाई पुताई का सवाल है, इंतजाम का सवाल है। , मैं बतलाना चाहूंगा कि लखनऊ रेलवे स्टेशन की जो बाहर की बिल्डिंग है । इसको बाहर से देखिए , यह काफी चमकती है और मैं समझता हूँ कि सभी लोग लखनऊ जा चुके होंगे और उन्होंने उसको देखा होगा। लेकिन जब आप उसके अंदर जायेगें , जो फर्स्ट क्लास की तरफ से ऊपर की ओर की तरफ झीना जाता है या उसी के ऊपर जायेंगे, ऊपर वाले गेट वे से तो वहाँ जालियां टूटी हूई हैं, वहाँ पान की पीक पड़ी हुई है । वहाँ की यह हालत है। अभी हमारे साथी साहब प्लेट फार्म की तारीफ कर रहे थे कि ऐसा है और वैसा है । चाहे लखनऊ का प्लेट फार्म हो , यहाँ पर राजीव शुक्ला जी बैठे नहीं है , चाहे कानपुर का प्लेट फार्म हो , मिश्रा जी तो वहीं से आते है, बनारस का जो एक नम्बर प्लेट फार्म है , हर स्टेशन पर एक प्लेट फार्म बढ़िया होता है , बनारस में एक नम्बर प्लेट फार्म देखने लायक है। लालू जी , आप भी बनारस गए होंगे, आपने देखा होगा ,थोड़ा इन बातों के ऊपर ध्यान दिलाने वाली बात है, इसमें फील करने वाली कोई बात नहीं है। जहाँ पर आपका ध्यान नहीं गया है, उसको मैं ध्यान में लाना चाहता हूँ।

यहाँ पर सुरक्षा की बात कई लोगों ने उठाई समझौता एक्सप्रेस में कितनी बड़ी दुर्घटना हुई । जिस गाड़ी के अंदर सात सौ , आठ सौ आदमी बैठे हुए हैं और वह गाड़ी पाकिस्तान जा रही है, उसकी सुरक्षा के लिए केवल छः सिपाही तैनात थे , छह सिपाही कैसे किसी घटना को कंट्रोल कर सकते है? आखिर जो चीज अब की जा रही है, अगर यह पहले की गई होती तो इतने आदमियों की जानें नहीं जातीं। भविष्य में , आपसे इस बात का अनुरोध है कि आप इस बात का ध्यान रखें कि सुरक्षा ही सबसे बड़ी है। यह बात ठीक है कि आपने उनके आश्रितों को दस-दस लाख रूपया दे दिया, लेकिन जान की कीमत दस लाख रूपये नहीं होती है। अगर हम सुरक्षा के प्रति जागरूक होते तो अच्छा रहता । जब इतनी अंतकवाद की घटनाएं हो रही है, इसके बावजूद भी कि यहाँ पर घटना होती है, वहाँ पर घटना होती है , दूसरे प्रदेशों में सुरक्षा नहीं है , यहाँ पर सुरक्षा है, जहाँ पर घटना घटी वहाँ पर कांग्रेस पार्टी राज कर रहीं है और जिस प्रदेश में घटना घटी वहाँ पर भी कांग्रेस पार्टी राज कर रही है। इन बातों के ऊपर ध्यान देना चाहिए। कोई भी सरकार हो , उसको सुरक्षा के ऊपर पूरा ध्यान देना चाहिए।

-क्रमशः अगले अंक में

• दूसरों से फायदा उठााना चाहते हो तो पहले दूसरों को फायदा पहुँचाओं।

सपनों के लिए संघर्ष परन्तु आलोचना स्वीकारें

संघर्ष ऐसी धार है जो जीवन को निखारता संवारता व तराशता है। यह संवेग मनुष्य जीवन को ऐसा गढ़कर बना देता है जिसकी प्रशंसा करते जबान नहीं थकती है। ये संघर्ष ही हमें जीवन का अनुभव कराते हैं सतत् सक्रिय बनाते हैं और हमें जीना सिखाते हैं। जिस जीवन में संघर्ष नहीं वहां प्रसन्नता टिक नहीं पाती और आनंद की अनुभूति हो नहीं पाती। संघर्ष हमारे जीवन का सबसे बड़ा वरदान है। वह हमें सहनशील व संवदेनशील बनाता है। संघर्ष की चाबी जीवन के सभी बंद दरवाजे खोल देती है और आगे बढ़ने के नये रास्ते भी प्रशस्त करती है। वैसे तो हमारे जीवन में कुछ भी सरल नहीं है। हर किसी व्यक्ति को अपने जीवन में लक्ष्य/मंजिल पाने के लिए संघर्ष का सहारा लेना ही पड़ता है। सकारात्मक दृष्टिकोण और लक्ष्य को पाने की ललक मन में होनी चाहिए। सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। कड़ी मेहनत व लगन से सफलता के लिए किया गया प्रयास अपना सुफल देने में चमत्कार दिखाने में पल की भी देरी नहीं करता और यही कारण है कि अभावों के बीच रहकर भी सफलता पाने के इतिहास युगों से लिखे गये है रचे गये हैं। सफलता के लिए संसाधनों का अम्बार होना जरूरी नहीं। सफलता उन अभावग्रस्त व्यक्तियों के भी हिस्से में आ सकती है जो कड़ा संघर्ष करते हैं। संघर्ष की तपिश जीवन को सुखाती नहीं बल्कि उसे निखार देती है।

मनुष्य द्वारा किये गये हर कार्य में उसे प्रशंसा मिले, वाह वाही मिले यह जरूरी तो नहीं। कभी उसे आलोचना भी मिल सकती है। इसलिए व्यक्ति को सदैव इस बात के लिए तैयार रहना चाहिए कि किसी भी तरह की आलोचना को वह सुन भी सके स्वीकार भी कर सके। यह सच है कि हमें आलोचना से ज्यादा प्रशंसा सुनना ज्यादा अच्छा लगता है। हमें यह हमेशा याद रखना चाहिए कि कार्य कितना भी अच्छा हो उसमें कमी हो सकती है और हर किया जाने वाला कार्य सर्वोत्तम हो उसमें गलतियों भी न हों यह जरूरी नहीं। इसलिए गलतियों को स्वीकार करके सुधारने में ही व्यक्ति का हित छिपा है। आलोचना करने वाले दो तरह के लोग होते हैं। एक तो हमारे शुभचिंतक और दूसरे प्रतिद्वंदी। इन दोनों प्रकार के व्यक्तियों की आलोचना को समझने में हमें सावधान रहना चाहिए। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए अपनी आलोचनाओं को सुनना उस पर विचार करना, कमियों को सुधारना हमें आगे बढ़ने में सक्षम व समर्थ बनाता है।

हर मनुष्य अपनी आंखों में सुंदर सपने सजाता है और पूरा करने की भरपूर कोशिश करता है। जीवन में सफलता इन्हीं सपनों के आधार पर मिलती है। सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती है। व्यक्ति जब अपने सपनों को मूर्त रूप देने का प्रयत्न करता है तब तक उसका जीवन के सपनों पर अग्रसर होता रहता है। नकारात्मक सोच रखने वालों के जीवन में विकास का मार्ग अवरूद्ध हो जाता है। ३५-४० उम्र के पार जाने वाले लोगों को यह लगने लगता है कि अब इनकी जिन्दगी में कुछ नया होगा ही नहीं। जो करना था कर लिया। कुछ भी नया करने के लिए अब बहुत देर हो गई है। सामान्यतः व्यक्ति यह सोचता है कि सपने देखने का अधिकार मात्र तरुणों को ही है परंतु ऐसा है नहीं। सपने संजोने का अधिकार तो सबके लिए है। सभी के लिए आगे बढ़ने के सब रास्ते व विकल्प खुले हैं। कुछ भी बनने और कुछ भी सीखने की कोई उम्र नहीं होती। यह बात अवश्य ध्यान रखें कि समय के साथ हम बदलते हैं और हमारे सपने भी बदल जाते हैं। परंतु यह भी सच है कि यदि कोई अपने मन में कुछ करने की ठान ले तो उम्र उसके कार्य में बाधा नहीं बनती। निश्चय

मन से होता है मन की शाक्ति से होता है इसलिए हर परेशानी रूकावट को उसके आगे झुकाने के लिए विवश होना पड़ता है। हम जानते होंगे कि प्रखर व्यक्तित्व नेल्सन मंडेला जीवन काल में लंबा संघर्ष करते रहे और ७५ वर्ष की उम्र के बाद दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बन,भारतीय संस्कृति के प्रसिद्ध संवाहक गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी ८० वर्ष की उम्र में रामचरित मांनस को लिखना प्रारम्भ किया। कवि कालीदास क्या से क्या बने गये। महान वैज्ञानिक एवं भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद भी यही कहते थे कि जिंदगी में सपने देखना न छोड़ें। सपनों को कभी मरने न दें, इन्हें हमेशा जीवित व जीवंत रखना चाहिए क्योंकि आंखों में सजे हुए सपने ही हमारी आशाओं के स्रोत हैं।

जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक एंव
राष्ट्रीय प्रभारी

पद की गरिमा

समाज के लोगों का ध्यान पद के महत्व पर आकृष्ट करना चाहूंगा/ समाज के अधिकांश लोगों को समाज की गतिविधियों को आगे बढ़ाने एवं चौमुंखी विकास में सहयोग देने के लिए विभिन्न पदों पर मानोनीत किया जाता है लेकिन अधिकांश लोग महज पद की लालसा की तृप्ति तो कर लेते हैं लेकिन पद की गरिमा और उसकी जिम्मेदारी का बोध नहीं करते हैं जिससे संगठन की प्रगति मंद पड़ जाती है यही नहीं समाज के नेतृत्व/शीर्ष पद प्राप्त करना चाहता है जिनमो उनके जिले को छोड़कर प्रदेश/देश अधिकांश जिलों के लोग जानते तक नहीं है। और उनका समाज में किंचत योगदान नहीं होता है। अतः एवं मेरा समाज के लोगों से विन्रम अनुरोध है कि उन व्यक्तियों को सर्वसम्मति से मनोनीत किया जाये जो सकारात्मक सोच के धनी व्यक्ति हों, धनवान भले ही न हो पर ईमानदार और सदाचरित्रवान हों। हर क्षण समाज के उत्थान के लिए विचार एवं प्रयास करने वाले हों, समयबद्ध कार्य करने की क्षमता वाले एवं अनुभवी हों। सदा सम्भव ऐसा व्यक्तित्व हो जो हर उम्र के सामाजिक बंधुओं के बीच सामन्जय स्थापित करने की क्षमता रखता हो, जो निर्णय समाज हित में हो उसे लागू करने की क्षमता रखता हो और अन्त में स्वहित के बजाय समाज हित का सम्वाहक हों। आशा ही जीवन है और निराशा मृत्यु।

इन्द्रजीत साहू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
मो. 9415440349

माननीय सदस्यो के लिए सूचना

मान्यवर,

सदस्यों का सदस्यता नवीनकरण नहीं हो सका है जबकि संस्था के आय का प्रमुख स्त्रोत सदस्यता शुल्क ही है फलतः संस्था को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। समाज प्रेमियों को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने हेतु संस्था की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होना आवश्यक है। अतः पाठक भाइयों/बहनों से सादर आग्रह है कि संस्था को मजबूती प्रदान करने हेतु अधिकाधिक संख्या में सदस्यता नवीकरण करायें व नई सदस्यता ग्रहण करनें की कृपा करें।

–सम्पादक

• सार्थक और प्रभावी उपदेश वह हैं जो वाणी से नही अपने आचरण से प्रस्तुत किया जाता है।

आज की आवश्यकता, जातीय समरसता

जातीय समरसता हॉट बाजार में बिकने वाली साग–भाजी नहीं है जिसे आप जब चाहें इच्छानुसार यथा सुविधा खरीद लाये।

जातीय समरसता कोई नट बोल्ट नहीं है जिसे आप अपनी फैक्ट्री में जब चाहे, और जितनी मात्रा में चाहें ढाल लें। जातीय समरसता रेशमी, ऊनी या खादी का बना कोई ऐसा वस्त्र नहीं है जिसे आप जब चाहें पहन लें और जब चाहें उतार कर खूंटी पर टांग दें। जातीय समरसता गुलाब की कलम नहीं है जिसे आप ऊपर से रोप दें और वह कुछ दिन बाद फूट निकले। तो फिर क्या है जातीय समरसता? समरसता जातीय जीवन जीने की एक कला है। ऐसी कला जिसमें जातीय उत्थान, विकास और आगे आने वाली पीढ़ी को गर्व से ऊंचा उठने की संभावनायें अन्तर्निहित रहती है। मानव जीवन के लिए इस जीवन कला का अपना एक बोध है, एक प्रयोजन है। इस कला के द्वारा मनुष्य स्वयं के जीवन की विविधता को समेटता हुआ तो आगे बढ़ता ही है वरन् उसके द्वारा बिखेरी गई संजीविनीशक्ति जातीय उत्थान में भरपूर सहायक बन जाती है। भौतिक जीवन में सदैव समरस रहता है। उसके प्रत्येक व्यवहार में समरसता परिलक्षित होती है।

जातीय समरसता पर्याय है, जातीय जीवन का। किसी व्यक्ति विशेष को ही लें। वह सभी इन्द्रियों सहित पुष्ट है, बुद्धिमान है और साधन सम्पन्न है। यदि किसी परिस्थितिवश उसकी ज्ञानेन्द्रियों एवं कर्मेन्द्रियों में परम्पर की समरसता समाप्त हो जाये तो कोई कार्य तो सम्पना होगा ही नहीं किसी भी क्षण अपघात की स्थिति आ सकती है। यही स्थिति परिवार, जाति, समाज अथवा किसी भी व्यवस्था पर लागू होगी। समरसता चेतना का स्वरूप है। यदि समरसता है तो जातीय जीवन तुरंत समझ में आ जायेगा। शरीर की दुर्बलता से जैसे प्राण की रक्षा कठिन हो जाती है उसी प्रकार यदि समरसता छिन्न–भिन्न हुई या ढीली पड़ गई तो जाति का जातिपन चेतना शुन्य हो जायेगा। बड़ी–बड़ी योजनायें, घोषणायें, साधन एवं सम्पन्नता आदि सब दोष बन जायेगें। व्यक्ति संकुचित सीमा में आबद्ध वैयक्तिक ही रह जायेगा। अपनी स्वयं की सुख सुविधा के अतिरिक्त किसी और बात से उसे मतलब नहीं। साथ के व्यक्तियों को उसके कारण कष्ट हो, क्लेष हो यहां तक कि वह नष्ट भी हो जाये तो इस पर कोई असर नहीं। यह समरसता के अभाव का प्रभाव।

जातीय समरसता में जाति के सभी छोटे–बड़े घटक महत्वपूर्व है। न कोई घटक हेय है और न कोई घटक सर्वोपरि समरसता के लिए चाहिए समदृष्टि तब हम सहिष्णु और विशाल ह्दयी बने। जातीय समरसता सहज साध्य नहीं है। वह नारे लगाने से सिद्ध नहीं होगी। नर में नारायण की प्रतीति और अपनी प्रीति के विस्तार की नीति से ही जातीय समरसता सिद्ध होगी। आज अहंकार और अधिकार के भाव में व्यक्ति–व्यक्ति के बीच दूरी बढ़ा दी है। कर्त्तव्य और दायित्य उपेक्षित हो गये है। रही बची थोड़ी बहुत समरसता भी अब दम तोड़ने लगी है।

हम सब कार्यकर्त्ता समाजोत्थान के जिस कार्य के लिए समर्पित होकर निरन्तर कार्यरत हैं, उस कार्य की मूल प्रेरणा क्या है?

(अ) क्या हम किसी की प्रतिक्रिया में कार्य कर रहे हैं?

(ब) क्या हम किसी की प्रति विद्वेष रखकर कार्य कर रहे हैं?

(स) क्या फिर हम किसी तात्कालिक उद्‍देष्य के लिए परिश्रम कर रहे हैं?

(द) क्या हमारे कार्य करने के पीछे कोई स्वार्थ निहित हैं?

(य) क्या हम समाज कार्य करने के लिए कोई महत्वपूर्ण पद पाने के आकांक्षी हैं?

उपर्युक्त कुछ प्रश्न ऐसे हैं जिनके सम्बन्ध में स्पष्टता होनी चाहिए। सच तो यह है कि सभी प्राणियों का एक मात्र लक्ष्य होता है। सुख की प्राप्ति। भौतिक साधनों के उपभोग से तात्कालिक सुख मिलता है जबकि परोपकरी समाजसेवी जीवन जीने से पारलैकिक स्थायी सुख प्राप्त होता है। एक बार कालेज के विद्यार्थियों में चर्चा का विषय बना–मेरे जीवन का लक्ष्य'। सभी ने अलग–अलग लक्ष्य बताये। फिर उनसे पूछा गया कि आप जिन्हें

• अनजान होना उतना लल्ला की बात नहीं है जितनी सीखने के लिए तैयार न होना।

कामता प्रसाद कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि.
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : 05495-233978

नीलकण्ठ फिलिंग स्टेशन
दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर, फोन : 05495-233878

नीलाम्बर पेट्रोलियम
मेह नगर, आजमगढ़

नीलकण्ठ एग्रो इन्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : 05495-233978

नीलकण्ठ एच.पी. ग्रामीण गैस वितरक
जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : 05495-233678

महा कालेश्वर फिलिंग स्टेशन
शंकरपुर, ओड़राई-गाजीपुर

नीलकण्ठ कम्प्यूटर धर्मकांटा
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर

महा कालेश्वर एग्रो इण्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : 05495-233778

जै किशन साहू

पूर्व उपाध्यक्ष- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (उत्तर प्रदेश सरकार)।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य : समाजवादी पार्टी उ0प्र0।

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड़ कैसरबाग, लखनऊ।

सम्पर्क : 0522-2628182 (कार्यालय) : 0522-4004192 (फैक्स)

निवास : ग्राम व पोस्ट - जलालाबाद, जनपद-गाजीपुर-275202

मोबाइल : 9415241047, 9451177436, 9670628496

• गृहस्थ एक तपोवन है, जिसमें संयम, सेवा सहिष्णता की साधना करनी पड़ती है।

महापुरूष मानते हैं, उनके नाम बतायें। सभी की ओर से वे ही नाम आये जिन्हें आज भी पूज्य, आदरणीय, लोकप्रिय माना जाता है। फिर विद्यार्थियों से उनके परिवार के पूर्वजों के नाम पूछे गये। चार पीढ़ी से अधिक के नाम कोई नहीं बता पाया। कारण स्पष्ट है– एक वर्ग ऐसे महापुरूषों का जिनका जीवन जाति, समाज, देष की सेवा में लगा। दूसरा समूह वशंगत पूर्वजों का जो केवल स्वयं के परिवार के लिए ही जिये। जाति की सेवा करने वाले का नाम देष में व देष की सेवा करने वाले का नाम जाति में आदर पूर्वक स्मरण किया जाता है। हम कार्यकर्ता यदि सेवा व समर्पण भाव से स्वसमाज की सेवा में लगें तो निश्चय ही जातीय समरसता उत्पन्न होगी। पीछे किये गये प्रश्नों के दुष्चक्र में न फंसकर रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए, हृदय को विशाल व सहिष्णु बनाते हुए इस पुनीत स्व समाजोत्थान के कार्य में जुटें।

एक जगह गीता का प्रवचन चल रहा था। भगवान कृष्ण अर्जुन से कह रह थे कि 'मैं ही सर्वशक्ति ईश्वर हूं, तुम अपने सारे कर्म मुझे समर्पित कर दो' एक जिज्ञासु ने पूछा– यह कृष्ण कैसे आदमी हैं।

डा0 उमेश नन्दलाल शाहू
राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
मो0 9422114433

जुड़ो, जोड़ो और जीतो

मनुष्य के जीवन के विभिन्न पहलू होते हैं जैसे-व्यक्ति पक्ष, पारिवारिक पक्ष, सामाजिक पक्ष, आर्थिक पक्ष एवं राजनैतिक पक्ष आदि। हर पक्ष की पूर्णता जीवन में शत-प्रतिशत हो यह जरूरी हीं है। लेकिन हम इसके लिए प्रयास करते है। ठीक उसी प्रकार से समाज की सफलता के संदर्भ में भी ऐसा होता है।

मित्रों। जब मैं अपने समाज की संरचना का अध्ययन करता हूं तो मैं पाता हूं कि सर्व समाज अग्रिम पंक्ति में खड़ा तुलना समाज में हम अपने-अपने सोच-विचार लोक व्यवहार जीवनशैली सामाजिक व राजनैतिक सोच एवं वर्तमान वाणिज्यिक पहलूओं के आधुनिक रूप को धारण नहीं कर पाये है। जिसके कारण हम जीवन के विभिन्न पक्षों में उतने आगे नहीं बढ़ सके। क्या कारण है?तब मै महसूस करता हूं कि अग्रिम पंक्ति में खड़ा वह समाज जिस तीव्रता कुशलता व समझदारी से वे एक दूसरे से जुड़कर जोड़कर आगे बढ़ जाते हैं और सफल हो जाते हैं वह गुण हमारे समाज के लोगों में कहाँ है?

साथियों। वास्तव में अगर समाज को सर्वसमाज में सफल बनाना है तो हमें जुड़ो, जोड़ों और जीतो के फार्मूले को स्वीकार करना होगा। हमें अपने संगठन को सही मायने में रूप देना होगा। वैसे जैसे मानव शरीर के सभी अंगों में पोषक तत्व एवं एक परिचालन के लिए पल्स का जाल फैलाया गया है। हमें अपने समाज के एक-एक व्यक्ति तक अपनी पहुंच बनाने के लिए शहर व ग्राम तक संगठन का विस्तार करना होगा। जिससे संगठन को संचालित करने वाले उनसे जुड़े फिर उनको जोड़े। संगठन के उद्देश्य नीतियां, योजनाएं तथा संगठन के समाज प्रति धारणा बताएं व उनमें विश्वास पैदा करें। उन्हें लगे कि संगठन से जुड़ने से हमारा भला होगा। तब वे संगठन का सहयोग करेंगे। इसके बाद संगठन की सोच भलीभूत होगी। अन्ततः हम जीत जाएंगे। यानि सफल हो जायगें क्योंकि हमें समाज का सहयोग मिलने लगेगा।

हमें एक बात हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि हम चाहे जितने गुणवान हो, बुद्धिमान हो, चतुर हो लेकिन बड़ी सफलता और बड़े लक्ष्य की प्राप्ति बिना संगठन और बिना समर्पित टीम के हासिल नहीं किया जा सकता है।

इस तरह हम यह पाते हैं कि यदि समाज को सफल करना है। बड़ा लक्ष्य पाना है। चमत्कारिक परिवर्तन समाज में लाना है तो हमें संगठन को शहर, ग्राम में रहने वाले लोगों तक पहुंचाना होगा। समाज हित में कार्यक्रम निर्धारित करके उन्हें क्रियांन्वित करना होगा। समाज से संगठन व नेतृत्व को जुड़ना होगा। समाज में विश्वास आस्था कायम करना होगा। निर्भय होकर कार्य करे। तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

इसलिए समाज के सफलता के लिए जुड़ों, जोड़ों और जीतो का फार्मूला ही कारगर होगा। हमें इस फार्मूलों का क्रियान्वयन करना चाहिए।

अरविन्द गांधी
राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)
संपर्क- 9415813210

• किसी का सुधार उपहास से नही उसे नये सिरे से सोचने और बदलने का अवसर देने से होता है।

मा0 तै0 साहू राठौर जिन्दाबाद।
राम नरायन साहू जिन्दाबाद !

महात्मा गांधी अमर रहें !
साहू समाज जिन्दाबाद !

अरविन्द गांधी (एडवोकेट)

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
प्रदेश उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल उ.प्र.
प्रदेश संयोजक
जन सेवा केन्द्र एसोसिएशन, उ0प्र0

पूर्व सांसद प्रतिनिधि :

मा0 राम नरायन साहू जी

(पूर्व राज्यसभा सदस्य)
सदस्य : जिला उद्योग/व्यापार बन्धु बलिया
सदस्य : जिला पशुक्रूरता निवारण समिति, बलिया
सदस्य संरक्षक मण्डल : (चेतना संदेश, पत्रिका)
मो0 : 9415813210, 7524827700

कार्यालय : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ
मो0 09415813210,07524827700
E-mail : gandhiballia@gmail.com
E-mail: bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
facebook : Arvind Gandhi, ballia

•जिसके जीवन में आज्ञा पालन और प्रतिज्ञापालन नहीं है वह अपनी बुद्धि की अवज्ञा करेगा कि सी चीज का निर्णय नही कर सकेगा।

शिष्टाचार सफलता का आधार है

- शिष्टाचार मनुष्यता की सबसे बड़ी पहचान है
- शिष्टाचार जीवन का दर्पण है, जिसमें हमारे व्यक्तित्व का स्वरूप दिखाई देता है।
- शिष्टाचार और सद्व्यवहार से विरोधियों को भी अपना बनाया जा सकता है।
- अशिष्ट व्यवहार दूसरों में घृणा द्वेष पैदा कर देता है।
- अशिष्ट व्यक्ति को समाज अकेला छोड़ देता है।
- शिष्टाचार वह अमृत है जिसमें कटुता विरोध पिघल जाते हैं।
- हमारे सम्पूर्ण जीवन में कार्य व्यापार, मिलना, जुलना सभी में शिष्ट व्यवहार की आवश्यता पड़ती है।
- शिष्टाचार और लोक व्यवहार का यही अर्थ है कि हमें समयानुकूल आचरण एवं बड़े छोटे का उचित व्यवहार करना आये।
- सद्व्यवहार, सदाचार, आदि शिष्टाचार के ही अंग हैं।
- शिष्टाचार मन, वचन, कर्म से किसी को हानि नहीं पहुंचा पाता।
- नम्रता, विनयशीलता आदि सद्गुण शिष्टाचार के अंग ही नहीं आधार है।
- शिष्टाचार एक ऐसा सद्गुण है जिसे अभ्यास और आचरण द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।
- शिष्टाचार के लिए सम्वेदनशीलता, हृदय की कोमलता अत्यावश्यक है।
- शिष्टाचार का संबंध मनुष्य के हृदय से है।
- यह आत्म रंजन का माध्यम है।
- इसका आधार आत्मिक सौजन्य है।
- शिष्टाचार आत्मा की अभिव्यक्ति है।
- शिष्टाचार ही हमारी सभ्यता और संस्कृति का दर्पण है।
- शिष्ट व्यक्ति सभी की दृष्टि में सभ्य एवं सम्मान का प्रतीक होता है।

सौजन्य से-बलराम प्रसाद
राष्ट्रीय वरिष्ठ, उपाध्यक्ष

मेरे स्वजातीय भाइयों, बहनों

गांधी भवन सभागार में मेरे आगमन के इस अवसर पर आप लोगों ने जो मुझे स्नेह अभिनन्दन किया है, इस के लिए मै हृदय से अप के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ मैं आपके स्वागत और सम्मान के योग्य नहीं हूँ ऐसा मै मानता हूँ, इसलिए ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि मुझे जो स्नेह और आथित्य मिला है उसके योग्य बन सकूँ।

आप सभी भाइयों-बहनों को हार्दिक शुभकामनाए एवम् वरिष्ठ जनो को सादर प्रणाम व नमन करता हूँ।

आपके सामने मैं अपने विचार रखूँ, इसके लिए आपने मुझे यहां बुलाया है आपकी आज्ञा के वशीभूत हों आपके बीच हूं। हमारे समाज में अनेक दोष हैं परन्तु कुछ अच्छाइयाँ और गुण भी है। जिनके बल पर ही समाज में ईमानदार और श्रेष्ठ कहलाते हैं समाज के लोगों मे आत्मविश्वास है। आत्मविश्वास के कारण इस समाज में महान पुरूष जन्में हैं। जिस जाति के सामने आदर्श प्रेम है वह जाति अपना आदर्श, प्रतिष्ठा के लिए यन्त्रणा-क्लेश हंसते हुए झेल सकती है। घर का कोना छोड़कर अब हमे घर से बाहर निकलना होगा अपने समाज को प्रत्यक्ष भाव को अच्छी तरह देखना होगा फिर समाज की सीमा पार कर भ्रमण करना होगा और अंजाने अपरिचत भाईयों का परिचय पाना होगा। जो जाति ऐसा कर सकती है। उसका सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और शैक्षिक विकास बढ़ता है। समाज को स्वालम्बी बनाना होगा, उन्नतिशील समाज र्निमाण का भार आज की नई पीढ़ी पर है। इतने बड़े दायित्वपूर्ण कर्त्तव्यपालन के लिए वचनबद्ध होकर साधना में लीन होना होगा। इसलिए मेरे समाज के भाईयो, प्रेमियों आओ हम भी समाजोत्थान कार्य में सक्रियता दिखायें।

-तरूण साहू
मो० 9918155541

• जीवन का अर्थ है समय, जो जीवन से प्यार करते हैं वे आलस्य में समय न गवांए।

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

जवाहर लाल साहू

सदस्य -उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग

पूर्व प्रदेश महासचिव - समाजवादी पार्टी, उत्तर प्रदेश

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष- समाजवादी पार्टी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश

पूर्व प्रभारी- लोक सभा क्षेत्र-बहराइच

आजीवन सदस्य- समाजवादी बुलेटिन, पत्रिका

आजीवन सदस्य- अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा

आजीवन सदस्य - उत्तर प्रदेश तैलिक साहू महासभा

पूर्व प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष- उ०प्र० साहू राठौर चेतना समिति

सलाहकार- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

आजीवन सदस्य - स्नेही क्लब इण्टरनेशनल

सदस्य - साहू समाज धर्मशाला समिति, जौनपुर

पार्टी कार्यालय- 19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ (उ0प्र0)
फोन : 0522-2235454 फैक्स- 0522-2238520
आयोग कार्यालय- तृतीय तल इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ
फोन : 0522-2287876 फैक्स- 0522-2267215

निवास- 5/30 विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010
निवास- रिज़वी खॉ, हरलालका रोड, जौनपुर (उ0प्र0)
मोबाइल : 09580502732, 09839136024

• ईमानदार होने का अर्थ है, हजार मानकों में से खरा चमकने वाला हीरा।

''अशिक्षा'' सामाजिक पिछड़ेपन का कारण

शिक्षा मनुष्य के जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। जैसा कि हम जानते हैं आज हमारा साहू समाज कई क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ है, जिसमें कि राजनैतिक व सामाजिक रूप से हम विशेष ही पिछड़े हैं। इस पिछड़ेपन के मूल में अगर हम जाए तो इसका सबसे बड़ा कारण हमारी अशिक्षा है। हमारे शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सामाजिक सम्मान की नितान्त आवश्यकता है। इसके लिए आवश्यक है हम अपनी अगली पीढ़ी को अधिक से अधिक शिक्षा दिलाए एवं उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षा मानव उद्देष्यों समाज और विश्व के उत्थान के हेतु अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षा को एक ऐसी प्रक्रिया कहा गया है जो व्यवहार में परिवर्तन करता हुआ उसका दार्शनिकों के द्वारा निर्धारित जीवन लक्ष्यों एवं आदर्शें के अनुसार विकास करना है।

शिक्षा से हम अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकते हैं, शिक्षा के द्वारा ही समाज में, हमारा अस्तित्व कायम रह सकता है।

महात्मा गांधी के शब्दों मेंः

एक व्यक्ति के शिक्षा अर्जन से सिर्फ एक मनुष्य का विकास होता है, लेकिन एक स्त्री के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है।

डा. राधाकृष्णन के शब्दों में–

शिक्षा प्रकृति को अनुशासित करती है,
शिक्षा विकास की प्रक्रिया है,
शिक्षा रूपान्तरण करती है,
शिक्षा अभिवृद्धि है,
शिक्षा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है,
ज्ञान अपने गहन रूप में स्वयं शिक्षा है,
शिक्षा मानव का नैतिक विकास है,
शिक्षा नवजीवन में दीक्षा है,
शिक्षा वैयक्तिवत्ता को कायम रखती है,
शिक्षा आत्मविकास की प्रक्रिया है।

हमारे समाज में महिलाएं शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही पीछे हैं। सामाजिक विकास के लिए जरूरी है कि हमें सबको समान रूप से मौका देना चाहिए, इसके लिए हमें चाहिए कि उचित मार्गदर्शन के साथ शिक्षा में पूरी छूट दें।

अशिक्षा के कारण ही इतने बड़े राज्य में इतनी संख्या के बावजूद हम अपनी कोई पहचान बनाने में सफल नहीं हो पाये हैं। शिक्षा के कारण ही मनुष्य सामाजिक, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में नेतृत्व का उत्तरदायित्व निभा सकतें हैं, अगर हम आज भी नहीं चेते तो हम समाज में राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक क्षेत्र में अपनी कोई पहचान नहीं बना पाएगे एवं लगातार पिछड़ते ही जाएंगे।

मेवालाल साहू
राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष
मो0 08959136930

भक्ति और भगवान

देवा! तुम्हारे कई उपासक कई ढंग से आते हैं
सेवा में बहुमूल्य भेंट वे कई रंग की लाते हैं।

धूमधाम से साजबाज से वे मंदिर में आते हैं
मुक्तामणि बहुमूल्य वस्तुएं लाकर तुम्हें चढ़ाते हैं।

मैं ही हूं गरीबनी ऐसी जो कुछ साथ नहीं लाई
फिर भी साहस कर मंदिर में पूजा करने आई।

धूप दीप नैवेद्य नहीं हैं झांकी का श्रृंगार नहीं
हाय! गले में पहनाने को फूलों का भी हार नहीं।

कैसे करूं कीर्तन, मेरे स्वर में है माधुर्य नहीं
मन का भाव प्रकट करने को वाणी में चातुर्य नही।

नहीं दान है, नहीं दक्षिणा खाली हाथ चली आई
पूजा की विधि नहीं जानती, फिर भी नाथ चली आई।

पूजा और पुजापा प्रभुवर! इसी पुजारिन को समझों
दान–दक्षिणा और निछावर इसी भिखरिन को समझो।

मैं उन्मत्त प्रेम की प्यासी, हृदय दिखाने आई हूं
जो कुछ है, वह यही पास है, इसे चढ़ाने आई हूं।

चरणों पर अर्पित है, इसको चाहें तो स्वीकार करो
यह तो वस्तु तुम्हारी ही है, ठुकरा दो या प्यार करो।

सौजन्य से – **अर्चना साहू**
महिला महामंत्री
मो0 9369856481

• हमारे मन की निर्बलता ही हमें दुख देती है वस्तुताः दुख कही नही होता, अपने मन को बदलए अपनी बुद्धि को बदलिए दुनिया को आप नही बदल सकते।

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

गांधी डी० सी० गुप्ता

(प्रदेश अध्यक्ष)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

मोबाइल : 9450638204

श्रीमती गांधी प्रमिला गुप्ता

प्रदेश संगठन मंत्री

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

मोबाइल : 9454512065

अभिकर्ता : साहू लैण्ड डेवलपर्स प्रा० लि० एवं
साहू इन्वेस्टमेन्ट म्यूचुअल बेनीफिट कं० हजरतगंज, लखनऊ
साहू कॉलोनाइजर्स प्रा0लि0

ॐ साँई राम

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

साँई कृपा फार्मेसी

(अंग्रेजी दवाखाना)

एस.आर.गुप्ता
B.Pharma

हमारे यहाँ सभी प्रकार की दवायें उचित मूल्य पर मिलती हैं।

उतरठिया बाजार, निकट युनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया
रायबरेली रोड, लखनऊ

मोबाइल : 9307820643

• दूसरे को आनन्द बाटों, आनन्द मिलेगा दूसरो को सुख दो सुख मिलेगा, प्रेमभरी चितवन हो, खिले कपोल हो, मन्द-मन्द मुस्कान हो।

सास बहू का रिश्ता अनमोल

ये दो ऐसे रिश्ते हैं जो नदी के दो किनारों के समान हैं। जो कभी नहीं मिल सकते। सास और बहू को लेकर ऐसी बातें आम हैं पर सच तो यह है कि प्यार आपसी समझ और अपनत्व का भाव मिले तो कभी न मिलने वाले दो किनारे मिलते भी हों और अपने दम पर बसा लेते हैं रिश्तों का खूबसूरत संसार भी। उदाहरणतः बहू के हाथ से कोई कांच का बर्तन गिरकर टूट जाता है तो अधिकांशतः यह कहा जाता है, जब से घर में आयी हैं तब से बर्तन तोड़ना शुरू कर दिया है।

पर वही बर्तन यदि बेटी से टूट जाता है तो मां द्वारा यह कहा जाता है कहीं लगी तो नहीं हमें लाओ साफ-सफाई करके फेंक देती हूं। यह दोहरी मानसिकता बदलनी पड़ेगी। सोच बदलने पर सास भी मां जैसी लगने लगेगी कैसे?

बहू बेटे के बीच में दखल न दें। बहू की गल्तियों को पूरी तटस्तता के साथ आंकलन करें। दहेज या मायके से मिले सामान को लेकर मजाक न बनाएं। बहू की राय सुमारी भी आवश्यक है। कामकाजी बहू को दोहरी जिम्मेदारी को समझे और उसका हाथ बटाएं। बहू को बेटी कहकर बुलाएं। अपने रिश्ते के प्रति ईमानदार रहें। थोड़ी सी आजादी बहू को भी दें ताकि मन पसंद काम भी कार्य कर सके। बहू के परिवार व परिचितों से सम्मानपूर्वक बात करें। खाना खाने से पहले पूछे कि बेटी खाना खाया कि नहीं। अपने दायित्वों का निर्वाहन सही तरीके से करें। बहू की भी बात को सुनें केवल अपनी ही न चलाएं। कोई गलती हो जाये तो उसे समझाएँ, न कि उसे खरी-खोटी सुनाएं खाने की भी तारीफ करें, चाहें कम स्वादिष्ट हो। बहू की भावनाओं को समझे। ऐसा न हो कि घर के सारे कामों की जिम्मेदारी बहू पर ही डाल दें ऐसा न समझें कि मानो आपको घर के काम करने वाली कोई दाई/ बाई मिल गई है। परिवार का सुचारू संचालन किसी एक की जिम्मेदारी नहीं बल्कि सभी की है। कभी-कभी बिना कुछ कहे बहू की अनकही भावनाओं को भी समझने की कोशिश करें और कद्र करें। बहू को मोम की गुड़िया न समझें उसमें भी कुछ भावनाएं, इच्छाए और आकाक्षाएं हैं उनको समझने की कोशिश करें।

रिश्ता नया है राह आसान नहीं है। पति पर अधिकार न जमाएं रिश्ते में खुलापन लांए, हर बात शेयर करें, मर्यादा में रहें। सासू मां के बारे में पूर्वाग्रह न पालें। हर रिश्ते में अपनी अहमियत होती है। सॉस-बहू का रिश्ता खास होता है। एक तरफ सास अनुभवी और जीवन के अलग-अलग रंग देख चुकी होती है। दूसरी तरफ बहू को अभी काफी कुछ सीखना और नये अनुभवों से गुजरना होता है। इसलिए इसमें शुरूआती दिक्कतें आना स्वाभाविक है। इस सबके बावजूद सास बहू साथ-साथ चलना सीख लें तो घर का माहौल सकारात्मक होगा।

–रेनू शाह
राष्ट्रीय महिला प्रभारी
मो० – 9425176697

योग्य वर-वधू के लिए सम्पर्क करें

साहू वी० पी० जायसवाल
एच० एस० 1/48, सेक्टर-ए
सीतापुर रोड स्कीम, लखनऊ
Mobile : 9415765495, 09005178541
E-mail : sahumatrimonial@rediffmail.com

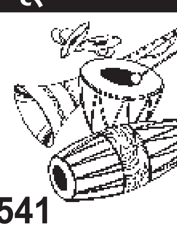

स्नेही शिव शंकर गुप्ता
बी-2122, इन्दिरा नगर, लखनऊ
Mobile : 9450219446
E-mail : admin@sahuvaish.matrimonial.org

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

उत्तिष्ठित जागृत

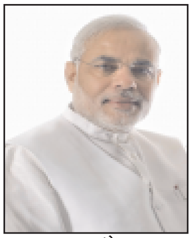
राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

विजय लक्ष्मी साहू

महिला प्रदेश अध्यक्ष– भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य : भारतीय जनता पार्टी, उ0प्र0
निवास– सिविल लाईन्स 739, लक्ष्मी कालोनी, जिला अधिकारी आवास के सामने, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
मो0 : 7309155011, 9125760003
e-mail : vijaylaxmisahu95@gmail.com

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

उत्तिष्ठित जागृत

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

ओम प्रकाश साहू

प्रदेश कोषाध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ
दूरभाष : +91 09335118647
निवास : विजय नगर, नीलमथा, बाजार, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

• जो बच्चों को सिखाते हैं। उन पर बड़े, खुद अमलकरे तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा।

''सशक्त महिला सशक्त देश''

'मातृदेवो भाव' के अनुपम उद्घोष से अनुप्रमाणित हमारी भारतीय संस्कृति में स्त्रियों का सदा से ही अत्यंत गौरवपूर्ण स्थान रहा है और ''यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमन्ते तत्र देवताः'' कहकर मनु ने उनके गौरव को द्विगुणित कर दिया है। नारी विधाता की अनुपम एवं सर्वोत्कृष्ट रचना मानी गयी है। उसमें करूणा, ममता, स्नेह, सहिष्णुता आदि गुण स्वभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं। नर जीवन रूपी गाड़ी के दो पहिये हैं। एक के बिना दूसरा अपूर्ण है। हम सभी जानते हैं कि नारी से ही घर का निर्माण होता है, इसलिए उसे गृहणी कहा जाता है वस्तुतः नारी ही घर की शोभा है और सत्य तो यह है कि नारी के बिना घर की कल्पना ही नहीं की जा सकती ।

महिलायें हमारे देश की जनसंख्या का लगभग आधा भाग है और विकास कार्यों में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण मानी जाती है। प्राचीन काल से लेकर आज तक स्त्रियों की दशा में रोमांचकारी परिवर्तन होते रहे हैं। यद्यपि महिलाओं को अबला कहा जाता है और उन्हें समाज का दुर्बल समूह माना जाता है। तथापि वे समाज के सम्भवतः सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग हैं। उन देशों में महिलाओं को पुरूषों की तरह समान अधिकार तथा सुख सुविधायें प्राप्त हैं और वे आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। प्राचीन काल से पुरूषों ने ऐ समाज को विकसित किया जिसमें नारियों को चहारदिवारी के भीतर ही रहने के लिए विवश किया है। परंतु आज महिलायें जागरूक हो गईं हैं और अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने को तैयार है।

महिलाओं तथा बालिकाओं के प्रति हमारे समाज में बदलाव की जरूरत है। पिछले दो दशकों के दौरान महिलाओं को अधिकार सम्पन्न बनाने के लिए महत्वपूर्ण उपाय किये गए हैं, फिर भी और अधिक उपायों की जरूरत है। महिला अधिकारिता के स्तम्भों में साक्षरता, शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा स्वरोजगार के सुअवसर सहित वित्तीय सुरक्षा शामिल हों ताकि वे आत्म निर्भर बन सके। जब महिला होने का गर्व होने, प्रेरक माहौल बनाने तथा गरिमापूर्वक जीवन जीने का सुअवसर प्रदान करने पर ही पूरे हो सकेंगे। महिलाओं को सदस्य यहां तक की अंतरिक्ष यात्री भी बन गई हैं।

स्वतंत्रता प्राप्त के बाद देश में स्त्रियों से जुड़े मुद्दों पर जो भी संघर्ष या अभियान शुरू हुए उनमें से अधिकांश का स्वर सकारात्मक रहा। उनपर पुरूषों की कोई बात या मान्यता लादने का स्वर नहीं था। इनमें भारतीय परम्परा के अनुसार एक मर्यादा थी। जब दहेज हत्याओं का सिलसिला तेज हो गया, आए दिन किसी न किसी नव विवाहिता को दहेज की बलि-बेदी पर चढ़ने का समाचार मिलते थे। तब इस देश में स्त्री आंदोलन का वास्तविक स्वरूप अपनी पूरी क्षमता के साथ उभर कर सामने आया। स्त्री संगठनों ने दहेज हत्याओं के दोषियों के विरूद्ध अभियान चलाए। उनकी गिरफ्तारी के लिए जुलूस निकाले, धरने के लिए उनके सामाजिक वहिष्कार का आह्वान किया। इन तमाम गतिविधियों में समाज के सभी वर्गों की स्त्रियां सक्रिय रूप में शामिल थी। जिस तरह रथ के आगे चलने की जरूरत होती है उसी तरह पुरूषों और महिलाओं का संयुक्त रूप से मजबूत होने और आगे बढ़ने की जरूरत होती है।

-सुमन साहू
प्रदेश अध्यक्ष,महाराष्ट्र
मो०- 9819160745

• समस्या को बड़ा बनाने वाले हम ही होते हैं। उन्हें 'निचले स्तर पर समाप्त करें समस्या बढ़ेगी ही नही।

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

मनोज साहू

एडवोकेट, हाईकोर्ट

अवध बार एसोसिएशन, हाईकोर्ट, लखनऊ

राष्ट्रीय सलाहकार

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

मुफ्त कानूनी सलाह हेतु सम्पर्क करें।

निवास/कार्यालय : 4/892 विकास नगर, लखनऊ

चैम्बर नं 89, लायर्स चैम्बर, पंचम तल, हाईकोर्ट, लखनऊ

मोबाइल : 09450750386

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

राजेश साहू

प्रदेश मीडिया प्रभारी- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

संयुक्त मंत्री

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ.प्र.

उत्तर प्रदेश

कार्यकारिणी सदस्य :

आई.ई.टी. कर्मचारी एसोसिएशन

(इंजीनियरिंग कालेज

सीतापुर रोड, लखनऊ)

कार्यालय : बी-4, दारूलशफा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

मोबाइल : 9453973001

समाज सेवा ही राष्ट्र सेवा है

समाज की विषेष जागरूकता केवल संगठन–नात्मक चुनाव के समय ही परिलक्षित होती रही है, सुझाव, शिकवा, शिकायत, स्पष्ट मत निर्धारण को इस समय तक रोके रहना कितना न्याय संगत है यह विचारणीय है, कार्यकारिणी की अनियमित दीर्घावधि की बैठक एक कारण हो सकती है,परंतु राज्य स्तरित व राष्ट्रीय आमंत्रितों के साथ 50 जनों की चिंतन गोष्ठी का आभाव भी संपर्क अभियान को हतोत्साहित करती है; हमें पूरी आजादी थी, है, रहेगी की हम स्वतंत्र रूप से समविचारी मिलकर समाज के सर्वोपरि हित में, सोंचे व अपने कार्यक्षेत्र व निवास क्षेत्र में सशक्त होकर तर्कसंगत, सर्वस्वीकार्य, सर्वहितकारी निर्णयों को अनुशसित व सम्मानपूर्वक समाजश्रेष्ठी को अवगत करते हैं। क्षेत्र विशेष व जीवनशैली समाज सेवा को व्याकपता देते हैं, सामूहिक निर्णय समाज की आत्मा है उन्नति के लिए।

संगठन पद की गरिमा बने रहने पर नहीं क्रियान्वयन पर निर्भर होता है और यही क्रिया–प्रतिक्रिया राष्ट्रप्रमुख व संगठन को सोचने और कार्य नीति को लागू करने पर विवश करती है। दबीजुबान संकोच और कृपणता, समाज का हित कत्तई नहीं करती। निःसंदेह अनुभव विज्ञान से, विज्ञान ज्ञान से ऊपर है, परंतु युवा भावनाओं की शक्ति, ऊर्जा और जोश को, अनुभवी, सम्मान व संपर्क का योग्य नियंत्रण, सलाह और होश इतिहास रचने के लिए तैयार है, केवल हमारी सक्रियकता और संकल्प ही हमारे समाज का गौरव बढ़ा सकता है।

विवाद रहित समस्या का तात्कालिक समाधान दीर्घकालिक हित में है तो उसे सिर माथे पर स्वीकार करना होगा उसे अपमान, उपेक्षा या अवमानना नहीं समझना चाहिए बल्कि भविष्य के लिए संकेत समझना चाहिए प्रत्येक महादेव देहधारी व हर मानव समाजबन्धु को स्वहित से कही ज्यादा दूसरों की खुशी में अपनी खुशी खोजनी होगी तो हमारी जाति को विश्व सम्मान व विश्व नेतृत्व प्राप्त होगा। आक्रोष भी समाज की धरातल पर खामोश हो जाता है। ताली दोनों हाथों से बजती है प्रयास करें सफलता करतल ध्वनि ही नहीं बल्कि आत्मध्वनि का सम्प्रेषण भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मुखरित आचरण प्रवचन जो हमारे चेहरे, आंखों व शब्दों से प्रस्फुटित होता है उद्देश्य एक है समाज कल्याण, आओ हम सहचर सहभोगी बने।

मेरी 11 लाख किलोमीटर की यात्रा और सत्तर एक प्रतीकचिन्हों की स्मृति का एक ही संदेश है हम सब एक है, इरादा नेक है, परिवार, समाज, राज्य, राष्ट्र सेवा के लिए एक ही मंत्र है–समाज सेवा ही राष्ट्र सेवा है।

लालजी रामदेव गुप्ता
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मो0 – 09987514422

श्री रविन्द्र सिंह राठौर, जिला अध्यक्ष, भा.ज.पा. बरेली

एवं

श्री सुनील गुप्ता, जिला अध्यक्ष भा.ज.पा., मऊ

बनायें जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

• दूसरों के साथ वैसी ही उदारता बरतो जैसे ईश्वर ने तुम्हारे साथ बरती हैं।

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

मुफ्त कानूनी सलाह हेतु सम्पर्क करें।

संजीव कुमार राठौर

एडवोकेट, हाईकोर्ट, लखनऊ

विधिक सलाहकार : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ.प्र.

मोबाइल : **9450355379**

श्रीमती सीमा राठौर

प्रदेश कोषाध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महिला महासभा,उ.प्र.

वरिष्ठ सहायक : सिंचाई विभाग, उ० प्र०, लखनऊ

मो० : **9450606547**

चैम्बर कोर्ट : गेट नं० 5, कलेक्ट्रेट,कैसरबाग, लखनऊ
निवास : एम 8/3 परिकल्प नगर, आलमबाग, लखनऊ

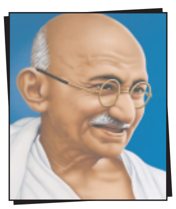

ALL INDIA O.B.C.'S RAILWAY EMPLOYEES ASSOCIATION

North Zone, Workshop Division, Northern Railway

Recognised by : Ministry of Railways, Govt. of India

Affiliated with- All India Other Backward Classes Railway Employees Federation

State Secretory (Org.) :
Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha
Member : **BJP**

HIRA LAL GUPTA
Ex. Div. Secretary
568K/5/1, Krishna Palli
Alambagh, Lucknow-226005
Mobile : 09415464619

आध्यात्मिक शिक्षा

राष्ट्र के हर नागरिक के समक्ष एक ज्वलन्त प्रश्न है ''शिक्षा कैसे सार्थक बने''। यह एक ऐसा प्रश्न है कि अब किसी भी प्रकार की देरी लगाये बिना हमें इस प्रश्न का समाधान खोजना ही होगा।

जब हम इस प्रश्न के समाधान के लिए चिन्तन करेंगे तो और अनेक प्रश्न उभरेंगे। क्या शिक्षा की नीति में कहीं कोई कमी है?क्या शिक्षा पद्धति दोषपूर्ण हैं?क्या पाठ्यक्रमों में कही कोई खोट है?परीक्षा प्रणाली में त्रुटि हैं?

उक्त प्रश्नों का समाधान है क्या?समाधान तो हैं परंतु इन्हें लागू करने के लिए ईमानदारी चाहिए। सारे प्रश्नों का एक ही समाधान है शिक्षा को अध्यात्म से जोड़ो। जिस दिन शिक्षा राजनीति के चंगुल से मुक्त होकर अध्यात्म के साथ जुड़ जायेगी उसे अपने आप गति मिल जायेगी और वह सही दिशा में सही पटरी पर सरपट दौड़ लगने लगेगी। देश की संस्कृति से हटकर जबरन थोपी गई शिक्षा का परिणाम वही होगा जो आज सर्वत्र दिखाई पड़ रहा है।

आधुनिक शिक्षा प्रणाली के पक्षधर इस बात को कहते नहीं थकते कि वर्तमान प्रणाली के तहत हमने प्रगति तो की है। निःसन्देह हमने प्रगति की है परंतु संतुलन नहीं बना पाये।

संतुलन के अभाव के कारण ही प्रतिभाओं का विदेशों में पलायन हो रहा है। हमारे देश की प्रतिभाओं का लाभ विदेशी उठा रहे हैं। हमने अपना सांस्कृतिक जीवन ही विस्मृत कर दिया है। हम जानते है कि आध्यात्मिकता की अनुस्थिति में नैतिकता नहीं रह सकती इसीलिए सन् 69 में गठित आयोग ने आध्यात्म शिक्षा को लागू करने का सुझाव दिया था परंतु संकीर्ण सोच के चलते उसे रद्दी की टोकरी में फेंक दिया गया।

फलस्वरूप आज देश की शिक्षा दिशाहीन हो गई है शिक्षा महंगी हुई है मगर मूल्य गिर गया है विश्व की हवाओं ने भारत को सुगंधि तिरस्कृत कर दी है। हम उन्नत तो हुए हैं परंतु विदेशीपन से। यही विदेशीपन शिक्षा और देश दोनों की जड़े खोदने का कार्य कर रहा है विदेशीपन से पहचान स्थापित किये जाने का ही दुष्परिणाम है कि हम अपनी पहचान खो बैठे हैं। हम वह शिक्षा खो बैठे हैं जिसमें हमारी माटी की खुशबू हो। सर्वत्र लूट खसूट भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, चरित्रहीनता, स्वार्थपन, जातिपन, क्षेत्रवाद, भाषावाद, प्रांतवाद, जैसी विघटन को जन्म देने वाली संकीर्ण मानसिकताएं इसी विदेशीपन की देन हैं। आओ अलख जगायें,शुरू करें एक और आंदोलन-'शिक्षा को अध्यात्म के साथ जोड़ों।''

गांधी डी.सी.गुप्ता
प्रदेश अध्यक्ष
मो० 9450638204

आने वाली फिल्में

June 17, 2016	:	udta Punjab
	:	Dhanak
	:	Bhouri
	:	Junooniyat
June 24, 2016	:	Raman Raghav2.0
	:	7 Hours to Go
	:	Shorgul
Eid, 2016	:	Sultan
July 15, 2016	:	Madaari
July 22, 2016	:	Great Grand Masti
	:	M Cream
	:	Fever
	:	Ishq Click
July 29, 2016	:	Dishoom
Aug. 05, 2016	:	Budhia Singh- Born to Run will Run
Aug 12, 2016	:	Mohenjo Daro
	:	Rustom
Aug 25, 2016	:	A Flying Jatt
Sep. 02, 2016	:	M.S. Dhoni : The untold story
Sep 09, 2016	:	Pink
	:	Raaz Reboot

• आप वैसे ही है जैसा आपका फैसला हैं।

जय मानवता ! | जय भारत ! | जय समानता !

परिवर्तन समाज पार्टी

नन्द किशोर साहू

राष्ट्रीय अध्यक्ष

आफिस : गैडे वाली सड़क, लश्कर, ग्वालियर-**474001** (म.प्र.)

निवास : सेवा नगर, ग्वालियर-**474003** (म.प्र.)

दूरभाष : **0751-4012619, 09827394664**

ई-मेल : parivartansamajparty@gmail.com, nksahuesp@gmail.com

साहू रमेश कुमार गुप्ता

राष्ट्रीय सचिव, उ.प्र. प्रभारी- परिवर्तन समाज पार्टी
प्रदेश अध्यक्ष- सर्वतैलिक महासभा

कार्यालय : **128/815, (3)** 'के' ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर

दूरभाष : **9415723034**

नोट :

पार्टी पदाधिकारी व सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें।

• किसी खास क्षण का फैसला ही आपके भाग्य का निर्माता है।

अंतस और अध्यात्म का- घट-घट में कुंभ-18 मई 2016

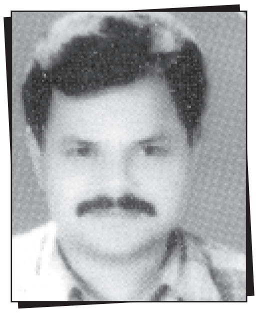

सिंहस्थ कुंभ में विशेष- उज्जैन में आस्था के महाकुंभ में इस बार युवाओं का उत्साह देखने लायक रहा पर मेरा उत्साह अधिक रहा लोग न सिर्फ शांति पाना चाहते थे बल्कि जीवन के उत्सव का आनंद भी मिला। समापन अवसर परशाही -स्नान पर नरेंद्र साहू प्रदेश अध्यक्ष (म.प्र.) की रिपोर्ट-

उज्जैन महाकाल की नगरी है। यहां घट-घट में महाकाल की महिमा गूंजती है लेकिन सिहस्थ के मौके पर लोगों से मिला तो लगा इस बार घट-घट में कुंभ राग गूंज रहा है अर्ताथ प्रत्येक व्यक्ति कुंभ के रंग में रंगा है। देव दानव संग्राम में अमृत घट से छल्की बूदों से महिमा मंडित तीन स्थानों-प्रयाग, हरिद्वार और नासिक के उत्सव तो कुंभ है ही परंतु चौथी नगरी उज्जैन का कुंभ सिंहस्थ कुंभ कहलाता है। क्योंकि उस समय गुरू सिंहस्थ (सिंह राशि में) होते हैं। इस सिंहस्थ कुंभ में **18** मई **2016** का वह दिन मेरे लिए बहुत ही अविस्मरणीय रहेगा जब संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मान रामनारायण साहू जी का भोपाल में आगमन पर सान्निद्य की अनुभूति करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है। जब देखा **78** बसंत पार कर चुके ऊर्जावान व्यक्तित्व तालों की नगरी भोपाल स्टेशन पर यानी (मेरे दरवाजे पर) स्वागत के लिए मैं एवम मेरे परम सहयोगी मनोज साहू को अवसर मिला। अल्प विश्राम हेतु होटल में ठहरे। तत्पश्चात आध्यात्मिक नगरी उज्जैन के लिए प्रस्थान किया। भोपाल से उज्जैन **4** घंटों का सफर कब किला उज्जैन पता ही नहीं चला। कारण मैं ड्राइवर की सीट पर और बाबूजी (माननीय राष्ट्रीय) अध्यक्ष जी पास की सीट पर बातें केवल समाज के विकास की उत्थान की, और **17-18** सितम्बर **2016** होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय पर होती रही। मैने अहसास किया कि बाबू जी के दिल एवम दिमाग में समाज की दशा एवम दिशा की बहुत ही पीड़ा है। और व्यक्तिगत कोई चाहत नहीं समाज के उत्थान के सिवा अन्य विषय पर चर्चा करना मैंने भी उचित न समझा। मुझे भी गर्व था कि बाबू जी प्रदेश के उ.प्र. प्रसिद्ध व्यवसायी/पूर्व राज्य सभा सांसद बेटा आई.ए.एस. हो उसे और क्या चाहिए। उज्जैन पहुंचा तो वहां सिंह पर विराजे गुरू पर दहाड़ रहे थे सूर्य। प्रखर घूप मेंशहर-पसीना-पसीना हो रहा था, पर भरी दोपहरी में रामघाट जाते हुए जन सैलाब के पांव आस्था की चेतना से जुड़े थे। उसमें कोई धूप कहां लगती है, उस आस्था को निहारते वहां पहुँचा समाज के लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। पहुंच कर हवन की पूर्ण आहुति में प्रमुख रूप से बाबूजी रामनारायण साहू, डा. जगन्नाथ साहू, श्री रमाशंकर गुप्ता मेरे साहू समाज के सभी पदाधिकारियों के साथ **51** कुण्ड **51** जोड़ों द्वारा हवन सम्पन्न कराया गया। भीषण गर्मी में लोगों का उत्साह जो घाट पर था जो क्षिप्रा की गोद भी खिलखिला रहा था। स्नान करते लोगों में भी वैविध्य था लेकिन एक अदभूत समान ताप थी डुबकी लगाते वक्त अधिकतर लोग अपने किसी परिचित को अपना मोबाइल थमाकर तस्वीर लेने के लिए कह रहे थे और जल धारा के बाहर आने पर उस तस्वीर को शेयर करना उनमें से कई का पहला काम था कुछ तो वदन पोछने के पहले संदेश लिखने में तल्लीन थे मैंने संदेश देखें न ही पर जानता हूं इन दिनों चलन में 'एट उज्जैन एजांइग कुंभ'' आश्चर्य की बात यह थी कि लड़कियाँ भी पीछे नहीं थी बस फर्क इतना था लड़के केवल अपनी तस्वीर खिचवाना चाहते थे और लड़कियों के समूह में अवसर कुंभ का धर्म के महा उत्सव का पर यह देखना कितना सुखद हैं लोग तकनीक की नवीनता का भी आनंद ले रहे थे जो भी धर्म नवीनता के विवेकी स्वरूप को स्वीकार करता है उस धर्म का यौवन अमर हो जाता है यह कुंभ में स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

हम सभी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ स्नानकर पुण्य के भागीदार बने। कलश यात्रा मेंशामिल होकर कार्यक्रम स्थल पर लौटे और प्रसादी ग्रहण की। चलकर रात्रि ग्यारह बजे भोपाल में होटल पहुंचे। रात्रि विश्राम किया। १९ मई २५० कि.मी. दूर दमोह में संस्था के प्रमुख महसचिव सत्येन्द्र जी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष जी चाहकर भी सहभागिता न हुई। सबकी सुनता सुनता स्टेशन विदा करने पहुंचा, वैचारिक कुंभ में शिरकत का आमंत्रण था प्रवचनों की बाहर थी। स्टेशन में बहुत भीड़ थी कोई गाड़ी आती तो बहुत लोग चढ़ जाते बहुत लोग छूट जाते, पर बाबूजी का रिजर्ववेशन था मैने सीट में बैठाकर मन ही मन प्रार्थना दोहराई

हे मेरे महाकाल मेरे देश के अनेक लोगों को अब तक कोई गाड़ी नहीं मिली है उन्हें तुम गंतव्य तक पहुंचाना अवश्य...।

नरेंद्र कुमार साहू
प्रदेश अध्यक्ष, मध्यप्रदेश
मो.नं. **09993554401**

Amar Prem Group

GROW WITH US

Vishal Gupta
Mobile :
+91 8005454000
+917071549200

Shubham Gupta
Mobile :
+91 9389209876
+91 9452587555

Concern Firm

(i) Shre Amar Ayurved Ashram (ii) Amar Prem Herbal (iii)Gupta Store (iv) Tirupati Infra Developers

Address :
110/140 Naya Goan Near tuti Masjid, new Medicine Market
e-mail : amarpremgrouplucknow@gmai.com

उ०प्र० की नम्बर-1 निःशुल्क वैवाहिक वेबसाइट
अपना मनपंसद जीवन साथी पाने के लिए फ्री रजिस्ट्रेशन।

www.
amarvivah.com

FREE REGISTRATION | FREE TO SEARCH | FREE TO CONTACT

+91 8005454000 www.amarvivah.com

इंटरनेट युक्त मोबाइल से एक मिस काल देने पर पाये
हजारो समकक्ष रिश्ते फोटो एवं बायोडाटा सहित।

• आप अपने भाग्य को बनाने वाले है क्योंकि फैसला में मजबूत है।

मांगलिक कार्यों में कलश का महत्व

सभी धार्मिक कार्यो में कलश का बड़ा महत्व हैं। जैसे मांगलिक कार्यों का शुभारम्भ ,नया व्यापार ,नववर्ष आरम्भ ,गृह प्रवेश , दिवाली पूजन ,यज्ञ ,अनुष्ठान ,दुर्गा पूजा आदि के अवसर पर सबसे पहले कलश स्थापना की जाती है । धर्मशास्त्राों के अनुसार कलश को सुख- समृद्धि, वैभव और मंगलकामनाओं का प्रतीक माना गया है। देवी पुराणो के अनुसार माँ भगवती की पूजा अर्चना करते समय सर्वप्रथम कलश की स्थापना की जाती है। नवरात्रि के दिनों में मंदिरो तथा घरो में कलश स्थापित किए जाता हैं तथा मां दुर्गा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है।

यह कलश विश्व ब्रह्मांड ,विराट बह्म एंव भू पिंड यानी ग्लोब का प्रतीक माना गया है। इसमें संपूर्ण देवता समाए हुए है। पूजन के दौरान कलश को देवी देवता की शक्ति , तीर्थस्थान आदि का प्रतीक मानकर स्थापित किया जाता है। कलश के मुख में विष्णुजी का निवास ,कंठ में रूद्र तथा मूल में ब्रह्मा स्थित हैं और कलश के मध्य में दैवीय मातृशक्ति निवास करती हैं। कलश में भरा पवित्र जल इस बात का संकेत हैं कि हमारा मन भी जल की तरह शीतल ,स्वच्छ एंव निर्मल बना रहें।हमारा मन श्रद्धा ,तरलता ,संवेदना एंव सरलता से भरा रहे। यह क्रोध ,लोभ ,मोह ,माया ,ईर्ष्या और घृणा आदि कुतसित भावनाओं से हमेशा दूर रहें।कलश पर लगाया जाने वाला स्वास्तिक का चिह्न चार युगों का प्रतीक हैं। यह हमारी 4 अवस्थाओं ,जैसे बाल्य ,युवा ,प्रौढ़ और वृद्धावस्था का प्रतीक हैं।पौराणिक शास्त्रो के अनुसार मानव शरीर की कल्पना भी मिट्टी के कलश से की जाती है। इस शरीररूपी कलश में प्राणीरूपी जल विघमान है।जिस प्रकार प्राणविहीन शरीर अशुभ माना जाता हैं, ठीक उसी प्रकार रिक्त कलश भी अशुभ माना जाता हैं।

इसी कारण कलश में दूध ,पानी ,पान के पत्ते, आम्रपत्र ,केसर ,अक्षत ,कुमकुम, दुर्वा कुश ,सुपारी ,पुष्प ,सूत ,नारियल, अनाज आदि का उपयोग कर पूजा के लिए रखा जाता है।इसे शांति का संदेशवाहक माना जाता है।

विजय लक्ष्मी साहू
महिला प्रदेश अध्यक्ष,उ0प्र0
मो0 7309155011

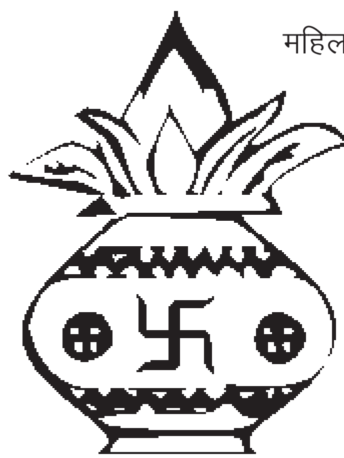

पिछले अंक की सूची का शेष

नव नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची

क्रं.	नाम	पद	पता	मो०न०
1.	श्री जवाहरलाल साहू	राष्ट्रीय सलाहकार	लखनऊ(उ०प्र०)	09305408981
2.	श्री धनीराम साहू	प्रदेश अध्यक्ष	छत्तीसगढ़	07566889694
3.	श्री मुर्गेश साहू	युवा प्रदेश अध्यक्ष	कर्नाटक	09902649222
4.	श्री राकेश साहू	राष्ट्रीय मंत्री	महाराष्ट्र	094525949888
5.	श्री जे.एल.गुप्ता	संगठन मंत्री	मध्यप्रदेश	09425177412

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

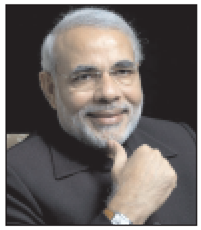

मोहन लाल गुप्ता

राष्ट्रीय सचिव,
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

अनुज गुप्ता

छात्र एवं कार्यकर्ता :
भारतीय जनता पार्टी, युवा मोर्चा

कार्या. – शुभम सिनेमा बिल्डिंग कैण्ट रोड, कैसरबाग,लखनऊ,उ.प्र.
निवास – 4/862 विकासनगर, लखनऊ। मो0 9415576867

• बड़प्पन अमीरी में नही ईमानदारी और सज्जनता में सन्निहित है।

(ARISE & AWAKE TILL YOU DON'T ACHIEVE THE GOAL)

Shyam Sundar Gupta
Ex-Mayor of Kolkata & Ex-M.P
Kolkata-14

First of all I must congratulate the office bearers of Rathore Chetana Mahasabha who have taken pains in organizing this 8th national conference on 27th December 2008at Lucknow with a view to promote the cause of "Love"Let us move together ,Let us exchange views together :Let us have one ambition and by so conducting ourselves .

Let us restore our pride of place among 12 crores members of our community living in different parts of India are almost with the population equivalent to that of Pakistan yet our political identity till date is as enigmatic as that of a platypus -which breastfeeds its offspring but is not a mammalia: lives in water by making burrow but is not a fish has a bill of swan but is not a bird has the fur over its body like mole but is not a mole .

As we know that man is a social animal and the festival expresses a social feeling of men .This social feeling of man has given birth to the society, association, organization .Thus he started to mix together and formed society and asso-ciation. Festival & celebration also took birth on account of this social tendency. Such festival & celebration help a lot in removing the monotony of dry life.But this festival of ours is a bit different from other festival and prilimarily and basically aims at discovering diagnosing and curing the diseases that inflict our community for the purpose of achieving our cherished goals namely pride of place Prosperity and political aggrandizement .It is more so because our community is chronically sick and is in desperate need of an intensive care for its treatment and such sickness lies more in misses than hits more glazers than stars and more bustle than business.

LACK OF COMMUNITY FEELING

There is so much good in the most of us and so much bad in the best of us that hardly becomes any of us to talk about the rest of us.Some of the people who matter a lot in our community unfortunately to them nothing is more than themselves. Whereas they are capable enough to contribute a lot towards the upliftment of our community not only by giving donation of money now & then,here & there but also by inspiring ,encouraging & enlightening the community socially, educational & politically in more than one ways.For example they find out a suitable person in their own way within their own area who is likely to make in politics and back him up in a manner that could take out for himself in politics today or tomorrow.

LACK OF UNITY

Unity is not only strength but a science of development .The strength of any community does not lie in its

numbers but in unity .In absence of such unity neither a family progresses nor a community could ever ahead.Truly speaking the unity is the foundationstone of strength and organization.

India lost its independence because there was no unity of the people here but as soon as people became united, independance of the country was not for away.Thus ,it is that central element of human behaviourial pattern which stirs up enthusiasm and courage among the weak and the helpless .

LACK OF SENSE OF SELF RESPECT

To my Sahu Bandhu ,I would say forget not that the greatest curse for a man is to remain a slave.Forget not that the greatest crime is to compromise with injustice and wrong.Remember the eternal law you must give if you want to get And the highest virtue to battle against inequity **,"Healthy life style for the elderly".An imp.issue of present time.**

Shyam Sundar Gupta
Ex-Mayor of Kolkata & Ex-M.P

जन्म दिवस अवश्य मनाए

इस संसार में हर इन्सान को केवल एक बार जीवन मिलता है। अपने स्वंय के जन्म होनेवाले दिवस को जन्मदिवस कहते हैं। हमारा जन्मदिवस यादगार बनाने को ,हम व हमारे परिजन अवश्य उत्सुक रहते हैं। और हमें इसे हमेशा खुशियों के साथ मनाना चाहिए क्योंकि ईश्वर के प्रति आभार प्रकट करना हमारा कर्तव्य है। हमारे माता-पिता भी हमारे लिए ईश्वर समान है। उनकी वजह से हमनें इस धरती पर जन्म लिया । इसलिए मेरे भाई- बहनों अपने बच्चों के जन्मदिन और आपका अपने स्वयं के जन्मदिन पर आप ईश्वर से निकटता बनायें और देखे अपने जीवन में बदलाव ,सुख-शांति, समृद्धि आयेगी और आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी । क्योंकि माँ-बाप और ईश्वर का भुगतान हम नहीं चुका सकते ,लेकिन उनकी निकटता ,उनका स्नेंह, उनके प्रति कृतज्ञता को तो हम उनका आदर ,सत्कार ,नमन जरूर कर सकते है ।अपने जन्मदिन पर हर बच्वें ने अपने माँ-बाप का तिलक कर उनके चरणों में अपना मस्तक रख कर याद करना चाहिए उन्हीं के कारण आपका जन्म हुआ और उन्होनें ही दुनिया दिखाई उसके पश्चात् हमारे पास के मंदिर में ईश्वर का धन्यवाद देने व आर्शीवाद पाने हमें प्रार्थना व आरती करनी चाहिए ।प्रसाद अर्जन कर आर्शीवाद लेना चाहिए ।ईश्वर ने हमें व हमारे माता-पिता को जीवन दिया । और आनेवाले जीवन में भी यही ईश्वर ,माँ-बाप ,हमारी प्रगति मनोकामना में सहायक होगें ।उन्हीं के आर्शीवाद से हमारा मनोबल बढता है। हम किसी भी बडी से बडी कठिनाई का सामना कर विजयी होते है । मेरे भाईयों और बहनों आप सभी को और हमें मिलकर यह (ईश्वर -माँ-बाप आभार योजना) शुरू करनी चाहिए ।

मोहनलाल गुप्ता
राष्ट्रीय सचिव
मो0 9415576867

• समय को खोना हत्या नहीं आत्महत्या हैं।

बाल्यावस्था मे दस्त (Diarrhoea)

बाल्यावस्था में दस्त दस्त क्या हैः– दिन में (24 घंटे के अंदर) तीन या उससे अधिक बार पतला पैखाना होना या मल के साथ खून का आना। इसे लोग पेट खराब होना है जो पेचिस व अन्य नामों से भी जानते है।

कारणः– यह एक पेट का इन्फेक्शन है जो विभिन्न कारणों से होता है। बच्चों में रोटा वैरेस एव ई कौली वैक्टीरिया इसके मुख्य कारण है।

गंभीर पानीदार

खूनी दस्त या अतिसार

लगातार रहने वाला दस्त

भारत वर्ष में पांच वर्ष के कम आयु के बच्चों में मृत्यु का तीसरा बड़ा कारण है। अमुमन 25000 बच्चों की प्रतिमाह एवं लगभग 800 प्रतिदिन पूरे भारत वर्ष में दस्त से मृत्यु हो जाती है।

बच्चों में यह बीमारी अधिक होने का मूल कारण कुपोषण एवं वातावरण खराब होना है। बच्चों में पानी की मात्रा ज्यादा होने की वजह से निर्जलीकरण या Dehydration ज्यादा होता है। दस्त का प्रबंधनः–शरीर में Dehydration या पानी की कमी हो रही है इसका पता कैसे कोंः–

1. बच्चे की आंखे अंदर की तरफ धंस रही हो
2. बच्चा बेचैन, चिड़चिड़ा या बेहोश हो रहा हो
3. बच्चा बहुत तेजी से पानी पी रहा हो या बिल्कुल नहीं पी पा रहा हो।
4. पेट की त्वचा खीचने पर देर से वापस जा रहा हो तुरंत डाक्टर की सलाह लें या पास से सरकारी चिकित्सालय ANM/AWW/ASHA आशा बहन से सम्पर्क करें अन्यथा 108 Ambulance को सूचित करें।

दस्त प्रारंभ होते ही घरेलू उपचार चालू करेंः–

(1) बच्चे को सामान्य–से अधिक मात्रा में तरल पदार्थ दें

(2) ओआरएस का पूरा पैकेट 1 ली. पानी घोल बनाकर शुरू करें यदि बच्चा उल्टी कर देता है तो थोड़ा रूक कर पुनः दें। (3) 4 माह का बच्चा लगभग 1–2 गिलास (4) 4–12 माह लगभग 2–3, 5 गिलास (5) 12–2 वर्ष तक लगभग 3.5–4.5 गिलास (6) 2–5 वर्ष तक लगभग 4.5–7 गिलास तक ओआरएस घोल 24 घंटे में पिलाइये। प्रत्येक दस्त के बाद की मात्रा के बराबर ओआरएस घोल और पिलायें। साथ ही साथ जिंक की गोली भी दें। 2–6 माह तक आधी एवं 6 माह से 5 साल1 गोली मां के दूध के साथ या पानी से दें। याद रखे एक बार तैयार किया हुआ घोल 24 घंटे के अंदर इस्तेमाल करें

दस्त के दौरानः–

1 सफाई बनाये रखे। बच्चे और अपना हाथ साबुन से बार–2 धोते रहे।

2. मां का दूध जारी रखे।

3. बच्चे को हल्का शुद्ध तरलीय भोजन देते रहे। याद रखे दस्त में जरा सी लापरवाही जानलेवा हो सकती है 11–14 प्रतिशत बाल मृत्यु का कारण दस्त ही है।

डॉ. वी.कुमार साहू
कानपुर
मो. 9839931015

कंधों पर खड़ा होना

आसन करने का तरीका

1. अपनी पीठ पर लेट जायें। एक हल्की हलचल से अपने पैरों नितम्ब और पीठ को इतना उठाये कि तीनों कंधों की सीध तक उठ जायें। अपनी पीठ को हाथों द्वारा सहारा दें।
2. दोनों हाथ की कुहनी को पास लायें। हाथों को खिसकाते हुए कंधों के नजदीक लायें। हाथों और कोहनी को पीछे नीचे दबाते हुए पैरों को ओर रीढ की हड्डी को सीधा करते जायें। आपके शरीर का वजन कंधों और हाथ के ऊपरी हिस्से पर आये न कि सिर और गर्दन पर।
3. पैरों को सीधा रखे। पैरों की एडी को ऊपर उठायें मानों आप कमरे की छत पर पैरों के निशान लगाने वाले हैं। गर्दन को जमीन की तरफ नहीं दबायें बल्कि गर्दन को मजबूत बनाये रखे और गर्दन की मांसपेषियों में खिंचाव लाते हुए उनमें मजबूती लायें। अपनी उरोस्थि ठोड़र की तरफ दबायें। यदि गर्दन में किसी प्रकार का दबाव महसूस हो तो अपनी आराम की स्थित में आ जायें। गहरी सांस लेते रहे और आसन की स्थिति में 30 से 60 सेकेंड तक रहें।
4. आसन से फिर पहले की स्थिति में आने के लिए पहले घुटने को नीचे माथे पर लाये। हाथों को धीरे से जमीन पर, हथेलियों को फिर नीचे जमीन की ओर लायें। बिना सिर ऊपर उठाये अपनी एक एक रीढ की हड्डी को जमीन से छुआते हुए नीचे समतल भूमि पर आ जाये। पैरों को जमीन पर ले आयें। अब 30 सेकेंड तक आराम करें।

आसन से लाभ

1. थायराइड और पैराथाइराइड ग्रन्थियों की क्रियाषील करके उनका संतुलन बनाये रखता है।
2. हाथों और कंधों को मजबूत बनाता है और रीढ की हड्डी को लोचक बनाता है।
3. मस्तिष्क में रक्त का संचार बढ़ाता है।
4. ह्दय की मांसपेषियों में खिचाव पैदा करता है ह्दय में शिराओं द्वारा रक्त के संचार को बढ़ाता है।

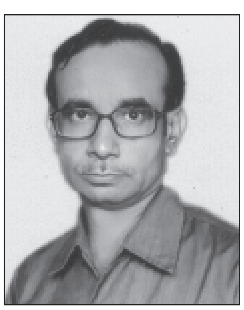

–शिवसागर साहू
सह–सम्पादक
चेतना संदेश
मो. 9452572336

सोशल इंजीनियरिंग

विश्व में मानव जीवन तभी महत्वपूर्ण है जब अपनी सक्रिय सेवाओं के साथ समाज की सेवा एवं उत्थान, विकास हेतु अग्रणी रहे। इस कारण सोशल इंजीनियरिंग का कार्यक्षेत्र मानव जन्म के उदय के साथ ही शुरू हुआ। राम, कृष्ण, गौतमबुद्ध, गुरू नानक देव, राजाराम मोहन राय, सरदार पटेल आदि जैसे अनगिनत महान व्यक्तित्व ने सोशल इंजीनियरिंग से अपने कर्मों के द्वारा समाज को आदर्श संदेश दिया व अपना जीवन समाज उत्थान में ही समर्पित किया।

वर्तमान समय में सामाजिक निहितार्थों तथा उनके वर्गीय-वर्णीय प्रक्षेपों के संदर्भिक बिन्दु इतने सूक्ष्म हैं जिनके विश्लेषण संश्लेषण व पुर्नव्याख्यान की आवश्यकता है। हिन्दू माइथोलाजिकल गणना के अनुसार सामाजिक सेवा क्यों, व कैसे करे की पृष्ठभूमि में जाए तो कुछ इतने विशिष्ट प्रकरण उपलब्ध मिलेंगे जिसमें मानव निर्मित समाज की सेवा का बल मिलेगा।

कोई भी व्यक्ति या समाज जब उसमें व्याप्त बुराइयों, कुरीतियों व अस्वस्थ परम्पराओं का त्यागकर अच्छाई व आदर्श स्वस्थ्य परम्पराओं को अपनाकर उन्नति,विकास की ओर बढ़ता है इसे ही सामाजिक क्राांति का नाम दिया जाता है। ऐसे सामाजिक नेतृत्व को भी पूरी ईमानदारी कर्मठता सही दिशा निर्देशों के साथ समाज के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। ध्यान रहे ऐसा करने से समाज सेवकों के पास सामाजिक शक्तियां स्वयं आकर नतमस्तक हो जाती है। विजेता कोई अलग से कोई कार्य नहीं करते बल्कि विशेष ढंग से कार्य करते हैं ऐसे ही व्यक्ति सही अर्थों में सफलता प्राप्त करते है तथा विश्व पटल पर सितारे की भांति चमते है। किसी ने सच कहा है कि :

नजरिया बदले बिना जीत नहीं,
दिल मिले बिना प्रीत नहीं।

-पदम साहू (एडवोकेट)
मो. 9125441055

• आप की मनोवृत्ति ही आपकी महानता निर्धारित करती हैं।

बेटी

अपने को अबला नहीं, कहो शक्ति का रूप ।
दुर्गा लक्ष्मी कालिका, रणचंडी अनुरूप।।
रणचंडी अनुरूप, बनो तुम सबला नारी।
करो न कोई भूल, भूल होती है भारी।।
सहो नहीं अन्याय, करो पूर्ण सब सपने।
रहों निधि निर्भीक, बढ़ो पथ पर तुम अपने।।

बेटा होना भाग्य है तो बेटी सौभाग्य।
जो इसको जाने नहीं, उसका है दुर्भाग्य।।
उसका है दुर्भाग्य, भाग्य की बात न जानें।
निधि सबसे उत्तम रत्न, कन्या ही मानें।।
बदलो अपनी सोच, सोच को करो न हेटा।
दोनों एक समान जगत में बेटी–बेटा।।

असुरक्षित है बेटियां, सभी रहे हैं देख।
कहते हैं मिटती नहीं, पड़ी हस्त में रेख।।
पड़ी हस्त रेख, कथा कहती है मन की।
हत्या भ्रूण बलात, व्यथा नारी के तन की।।
निधि सुनता कौन पुकार, जब नारि अशिक्षित।
हुई गर्भ में आज, हाय! बेटी असुरक्षित ।।

बेटी अब होगी नहीं, बेचारी लाचार।
उतरेगी मैदान में, बन करके हथियार।।
बन कर के हथियार, सर्पणी के सम डसती।।
बेटी जान अमूल्य, नहीं यों समझो सस्ती।
निधि पिशाची भूख नहीं हो कोई बेटी।
आरक्षण की भीख, नहीं मांगेगी बेटी।।

–निधि राठौर
नई दिल्ली
मो0 09718922031

जिनका अन्तस प्रिय

जिनका अन्तस प्रिय पावन, शुभ सोच निराली है।
उनका हर दिन होली, हर रात दिवाली है।।

शुभ पुष्पित ज्योति सिन्दूरी, मानस व्याकुलता धोती।
अर्चन जल के यूं बूंद गिरें, जैसे बिखरे हों मोती।।

जिनके हाथों में ऐसी पूजा की थाली है।
उनका हर दिन होली, हर रात दिवाली है।।

सद्भाव प्रेम की क्यारी, समता की गंध बिखेरे।
हिन्दू–मुस्लिम गुरू सिक्ख नहीं अपना कहकर जो टेरे।।

करता जो स्नेह जगत से, हित प्रेम सवाली है।
उनका हर दिन होली, हर रात दिवाली है।।

मंदिर न चर्च गुरूद्वारा, मस्जिद नहीं जाना है।
ठोकर हर दर की खाकर, घर अपने आना है।।

जिसने चरणों में झुक–कर, माता की दुआ ली है।
उनका हर दिन होली, हर रात दिवाली है।।

आचार्य शैलेन्द्र राठौर 'सरस'
उत्तर प्रदेश, हरदोई
मो0 9792756911

• किसी भी प्रकार की मित्रता के पीछे कुछ न कुछ स्वार्थ जरूर छिपा रहता है।

5 जून 1990

पुण्यतिथि

स्वर्गीय श्रीमती

मुन्नी साहू

माँ

माँ संवेदना है, भावना है, अहसास है
माँ जीवन के फूलों में, खुशबू का वास है
माँ रोते हुए बच्चे का, खुशनुमा पालना है
माँ मरूथल में नदी या मीठा-सा झरना है
माँ लोरी है, गीत है, प्यारी सी थाप है
माँ पूजा की थाली है, मंत्रो का जाप है
माँ आँखों का सिसकता हुआ किनारा है
माँ गालो पर पप्पी है, ममता की धारा है
माँ झुलसते दिनों में, कोयल की बोली है
माँ मेहंदी है, कंकुम है, सिंदूर है, रोली है
माँ त्याग है, तपस्या है, सेवा है
माँ फूँक से ठंडा किया कलेवा है
माँ कलम है, दवात है, स्याही है
माँ परमात्मा की स्वयं एक गवाही है
माँ अनुष्ठान है, साधना है, जीवन का हवन है।

अश्रुपूरित श्रृद्धांजलि :

स्वर्गीय राम प्रसाद साहू जाहिल (पति) महेश प्रसाद ''दद्दू'' (पूत्र)
श्रीमती मीना साहू (बहू) ऋचा साहू, मनीषा साहू (पौत्री) मनीष साहू (पौत्र)

101/77 बैरूनी खंदक, लाटूश रोड, लखनऊ

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

महेश साहू ''दद्दू''

बाल रचनाकार- पत्रकार

समाचार सम्पादक, प्रदेश रक्षक टाइम्स

जिला अध्यक्ष- राष्ट्रीय पत्रकार परिषद

विशेष संवाददाता 'वैश्व स्वाभिमान''

उपाध्यक्ष – प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया जर्नलिस्ट एशोसिएशन

मोबाइल – 09335234963

101/77 बैरूनी खंदक, लाटूश रोड, लखनऊ

• आय से अधिक खर्च करने वाले तिरस्कार सहते और कष्ट भोगते हैं।

हे! समाज के बंधु

निस्वार्थ निस्याय निश्छल निर्विध्न
नव चेतना के प्रभाती बनो तुम,
अज्ञानता का मिटा दे अंधेरा,
ऐसे चिरागों की बाती बनो तुम,
गुलामी से आजाद जिसने कराया,
भारत की सोई प्रजा को जगाया।
पर दादा गांधी के वंशज हो प्यारे,
अहिंसा के पथ पर बराती बनो तुम।

अज्ञानता.......
जहां भाई–भाई के रिश्ते दरकते।
लालों से ममता के आंचल सिसकते।
संकट में नारी की अस्मत जहां हो,
वहां धनुहा तेली की छाती बनो तुम।
अज्ञानता ....

पूंहशाह राणा ने मस्तक झुकाया।
महादानी मामा ने दौलत लुटाया।
जिसका नहीं कोई अपना सहारा।
जरूरत में उसकी रहमाती बनो तुम।
अज्ञानता......

असहाय निर्बल को अपना बनाया।
सत्ता में हिस्सा का सपना जगाया।
अपमान गंगू का धोने के खातिर,
संगाती बनो तुम।
अज्ञानता.......

हे! समाज के बन्धु

उदय नारायण साहू
अध्यक्ष–कानपुर महानगर
मो0. 9005985094

आरती कर्मा माता की

जयति जय जय कर्मा माता,
जयति जय जय कर्मा माता।
भक्त शिरोमणि आराध्या मां भक्ति मुक्ति दाता।।
झांसी जन्मी आप और मां नखरगढ़ व्याहीं।
कृष्ण भक्ति की चाह सदा ही मन में अवगाही।।
साहू कुल की अमरज्योति मां तुम जग कल्याणी।
अत्याचारों के विरोध को, तुमने की वाणी।।
जीवन पथ पर चलीं अहनिंष, कर्म किए नीके।
है उपकारी भारी, हम सब कर्मा जननी के ।।
विनयशील साहू समाज को संबल बड़ दिया।
प्रीति, प्रतीति, सुनीति,रीति का मार्ग प्रशस्त किया।।
अनय अनीति अभाव मिटाती, दुख दारिद्रय हरती।
सरसाती सरसिज स्नेह, सौजन्य भाव भरती।।
कृष्ण तेरी खिचड़ी खाने, मंदिर से उठि धाये।
जगन्नाथ स्वामी को प्रतिदिन भोग तेरा भाये।
कर्मा मां की आरती, जो कोई जन गाता।
''नम्र'' धन्य हो जाता, सुख सम्पर्ति पाता।।

–राकेश साहू
राष्ट्रीय मंत्री
जिला– होशंगाबाद–म0प्र0
मो0 9425949888

वैवाहिक विज्ञापन

नाम	:	**विकास साहू**
रंग	:	**साफ**
पिता का नाम	:	**श्री गोपी लाल साहू**
जन्मतिथि	:	**01–05–1986**
शिक्षा	:	**बी.टेक.**
व्यवसाय	:	**एन.बी.सी.सी. अधिशासी अभियन्ता खड़्गपुर में ज्वाइनिंग 5–1–2015 से।**
लम्बाई	:	**5 फीट 8 इंच**
सम्पर्क	:	**गोपी लाल साहू, मु.पो. सलोन जनपद, रायबरेली मोबाइल : 9454905199**

नव वर्ष 2016 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

विजय साहू 'मून'

बी.ए.,बी.काम.,एल.एल.बी.

जिला अध्यक्ष : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, बहराइच

जिला उपाध्यक्ष : लोहिया वाहिनी समाजवादी पार्टी, बहराइच

जिला संयोजक : अति पिछड़ा समाज मंच, बहराइच

पूर्व अध्यक्ष : किसान महाविद्यालय, बहराइच

निवास- ग्राम, मछियाही, पोस्ट- चिलवरिया, जिला, बहराइच

प्रत्याशी- 287 विधान सभा क्षेत्र, प्रयागपुर, बहराइच

कार्या. - छसियारी निकट परेडग्राउण्ड, पुलिस लाइन, बहराइच

मोबाइल न0.- +91 9473723000, +91 9598499333

नव वर्ष 2016 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

साउथ सिटी हास्पिटल

दक्षिण क्षेत्र का एक मात्र समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण हास्पिटल

डा० हिमांशु साहू

एम.पी.टी. (आर्थो.) वी.सी.पी. (मुम्बई)

पूर्व जयपुर गोल्डेन हास्पिटल, नई दिल्ली

डा० प्रिया साहू

बी.ए.एम.एस.

(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

हेल्पलाइन : 0512-3264155, 9473864426

सुविधाएँ- ÷ सभी प्रकार के ऑपरेश (जनरल ऑपरेश, हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा, स्त्री रोग, नाक, कान एवं गला के ऑपरेशन) की सुविधा।
÷ नार्मल डिलेवरी एवं ऑपरेशन द्वारा प्रसव सुविधा।, ÷ पित्त की थैली व पथरी के ऑपरेशन दुरबीन विधि द्वारा।
÷ बिना चीरा, बिना टांका बच्चेदानी का ऑपरेशन ÷ 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा व भर्ती की सुविधा।
÷ समस्त उपचार वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाता है। ÷ समस्त इलाज रियातयती दर पर किये जाते है।

X Ray एवं पैथोलॉजी सुविधा उपलब्ध

7डी,-1 जरौली फेस-1, 80 फिट कर्रही मेन रोड (निकट पानी की टंकी), कानपुर

• जो लोग दूसरो की बुराई करके खुश होते है ऐसे लोगो से दूर ही रहे क्योंकि कभी आपके साथ धोखा कर सकते हैं।

सभ्य एवं शिष्ट जीवन के लिए आवश्यक शिष्टाचार

शिष्टाचार का जीवन में अहम स्थान है। शिष्टाचार आईने के समान है, जिसमें मनुष्य अपना प्रतिबिंब दर्शाता है। शिष्टाचार अच्छे विचारों से आता है। जिस प्रकार कोई इमारत मजबूत नींव के बिना खड़ी नहीं रह सकती, वैसे ही शिष्टाचार के बिना व्यक्ति का, समाज का और राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता।

शिष्टाचार एक संस्कार है, जिसकी नींव बचपन में ही पड़ जाती है। खूब पढ़ लिखकर भी जिस व्यक्ति में शिष्टाचार का अभाव हो, लोग उसे पढ़ा–लिखा मूर्ख ही कहेंगे और उसे समाज में सम्मान नहीं मिलेगा। शिष्टाचार द्वारा अनजान व्यक्ति भी समाज में सम्मान पाता है, वहीं शिष्टाचार रहित व्यक्ति परिजनों द्वारा भी दुत्कारा जाता है।

शिष्टाचार के कुछ प्रमुख सूत्र इस प्रकार है–

1. अपने जज़्बातों पर काबू पाना हालांकि कठिन काम है, परंतु फिर भी जब किसी से मिलें तो अपने क्रोध, तनाव व परेशानियों को भुलाकर दिल से मुस्कराते हुए मिलिए।

2. हाथ–पैरों के सभी नाखून हमें काटकर रखने चाहिए, गंदे व बेढंगे नाखून हमारे व्यक्तित्व के नकारात्मक पक्ष का परिचय देते हैं।

3. नकारात्मक सोच को त्यागकर अपनी विचारधारा में सकारात्मक विचारों की क्राांति लायें।

4. बड़ों का सदैव आदर–सम्मान करें। अपने सहभागी व साथियों के प्रति सदैव प्रेम व सहयोगपूर्ण नजरिया रखें जो स्वार्थ से परे हो।

5. किसी की आलोचना न करें। किसी को हीन न समझे और उसको नीचा दिखाने की चेष्टा न करें।

6. कभी किसी की वस्तु न मांगे। यदि मांगना आवश्यक हो तो समय से वापस भी कर दें।

7. बात उतनी ही करें जितनी आवश्यक हो। झूठ न बोलें। झूठा वादा न करें। इंकार करने की स्थिति में नम्रतापूर्वक इंकार कर दें।

8. अवसर के अनुरूप ही बात करें। दूसरे की बात ज्यादा सुनें, अपनी बात कम करें।

9. किसी दूसरे की अनुपस्थिति में उसकी बुराई न करें।

10. आवेश से बचें। कई बार आवेश में बात निकल जाती है तो पछताना पड़ता है।

11. कुछ भी कहने से पहले उस पर पहले सोच विचार अवष्य कर लें।

12. हमेशा सीधें बैठें। रीढ़ की हड्डी सीधी रखते हुए बैठने वाला व्यक्ति अधिक उत्साही व स्वस्थ प्रतीत होता है।

13. कान,नाक व मुंह में उंगली डालते रहना तथा बातचीत करते समय ऐसा करना अशिष्टता का ध्योतक है।

14. आप अपनी बात को किसी तरीके से कहते हैं, इस पर भी ध्यान दें।

15. प्रभावी व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि उन्हें बोलने से ज्यादा काम करके दिखा देने में भरोसा रहता है। जो उन्हें औरों से अलग करता है तथा सफलता के समीप पहुंचाने में मददगार साबित होता है।

शिष्टाचार व्यक्ति को फर्श से अर्श तक पहुंचा सकता है, कठिनतम कार्य को आसान बना सकता है और अंधेरे में भी आशा की किरण दिखा सकता है। कोई भी व्यक्ति अपने को सम्पूर्ण रूप से श्रेष्ठ नहीं बना सकता। परंतु प्रत्येक इंसान में कोई न कोई विशेषता अवश्य होती हे। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपनी खूबियों को हरदम विकसित करते रहना चाहिए।

–मुकुल कुमार साहू
मो0 8004906262

• अपनी सोच को कैसे बेहतर बनाया जाए यह सीखने से कुछ उत्कृष्ट नहीं हैं।

देश पर मंडराता बेरोजगारी का संकट

बेरोगजारी हमारे देश की एक जटिल समस्या है। हमारे देश की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। हर साल १.३० करोड़ युवा, श्रमशक्ति मेंशामिल हो रहे हैं, पर उन्हें कोई मनोवांछित नौकरी या काम काज नहीं मिल पा रहा है और इसी कारण यह समस्या वर्तमान समय की एक बड़ी त्रासदी बनती जा रही है। युवाओं में ऊर्जा होती है, उमंग होती है। किशोवस्था को पार करके देश का हर एक नौजवान व्यक्ति कुछ करना चाहता है, अपने परिवार के भरण-पोशण की जिम्मेदारी उठाना चाहता है, अपने परिवार की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं को पूरा करना चाहता हैं, लेकिन यदि उसे उपयुक्त कार्य नहीं मिल पाता तो फिर या तो वह कुठा का शिकार होता है या फिर वह पैसे कमाने के गलत रास्ते अपना लेता है। ये दोनों ही स्थितियां उसके लिए व देश के लिए घातक होती हैं और आज देश को और उसके नौजवानों को इन्हीं घातक परिस्थितियों से गुजरना पड़ रहा है। एक समय था जब नौकरियां आसानी से व्यक्ति को उपलब्ध हो जाती थी, लेकिन अब वह समय चला गया है। अब एक-एक नौकरी के लिए कई गुना आवेदन प्राप्त होते हैं।

सीआइआई की इंडिया स्किल रिपोर्ट-२०१५ के अनुसार, भारत देश में हर साल तकरीबन सवा करोड़ शिक्षित युवा तैयार होते हैं और रोजगार के लिए सरकारी और प्राइवेट सभी क्षेत्रों में अपनी किस्मत आजमाते हैं, लेकिन सिर्फ ३७ फीसद ही रोजगार पाते हैं। ऐसा होने के दो प्रमुख कारण हैं-पहला सरकारी क्षेत्र में नौकरियां कम हो रही हैं और दूसरा, प्राइवेट क्षेत्र में उन्हीं लोगों को रोजगार मिल रहा है, जिन्हें कारोबार क्षमता हासिल है। गौर करने वाली बात यह है कि देश में सालाना सिर्फ ३४ लाख लोगों के लिए ही कुशलता प्रशिक्षण (स्किल डेवलपमेंट) की व्यवस्था है, जबकि दूसरी ओर सवा करोड़ शिक्षित बेरोजगार रोजगार पाने की कतार में आ खड़े होते है। भारत सरकार ने स्किल इंडिया के जरिये २०२२ तक ४० करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन नेशनल सैंपल सर्वे के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक इस लक्ष्य को हासिल करना फिलहाल मुश्किल हैं, क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार देश में हर दस युवाओं में महज एक को ही किसी तरह का कारोबारी प्रशिक्षण हासिल है। यदि देश में रोजगार सृजन के आंकड़ों की ओर नजर घुमाई जाये तो पिछले एक से डेढ़ दशक के बीच रोजगार सृजन की दर सिर्फ १.४ प्रतिशत ही रही, जबकि इसी मध्य पढ़-लिखकर रोजगार की इच्छा करने वाले युवाओं की संख्या सालाना २.२३ फीसद बढ़ी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि हमारे देश में बेरोजगार युवाओं की संख्या आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ रही है और यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए एक बड़ा संकट है। ऐसी स्थिति में यदि किन्हीं कंपनियों के काम की दर में गिरावट आती है और फैक्ट्रीयों में ताला पड़ता है तो उनमें कार्य करने वाले हजारों-लाखों लोगों को अचानक ही अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ता है और इनकी निर्धारित आय का निश्चित स्रोत भी बंद हो जाता है। ऐसे में नौकारी छूटने के बाद ये अन्य विकल्पों की तलाश में जुट जाते हैं। नौकरी के मामले में हमारे देश की स्थिति पहले से ही अच्छी नहीं है। नौकरी करने की ललक में युवा रिश्वत देने से भी पीछे नहीं हटते और कभी-कभार परिणाम यह होता है कि इन सब में उनके पैसे तो जाते ही हैं, नौकरी भी नहीं मिलती। युवाओं की इस लाचारी का फायदा उठाने व पैसा कमाने के लिए कई धोखाबाज व्यक्ति व कंपनियां उन्हें अच्छी नैकरी का लालच देते हैं, उनसे पैसा ऐंढते हैं और फिर वहां से रफू चक्कर हो जाते हैं। यह देश की एक बड़ी समस्या है कि आबादी बढ़ने के साथ साथ मारे देश में रोजगार की संभावनायें कम होने लगी हैं, जिससे शिक्षित युवाओं के सामने बेरोजगारी का संकट गहराने लगा हैं यह देश के सामने खड़ा एक ज्वलंत प्रश्न है। कारण है कि हमारे युवा ऐसी शिक्षा की तरफ मुड़ गये हैं जो उन्हें डिग्री तो देती है, पर अपना काम शुरू करने की समझ और संबल नहीं देती। इसके अलावा नौकरी के चयन के मामले में युवाओं का ज्यादा फोकस सरकारी नौकरी पाने की ओर होता है और इस कारण स्थिति एक अनार-सी बीमार वाली हो जाती है। इसके बदले यदि युवाओं ही सोच ऐसा काम-काज अपनाने की होती है कि वे स्वयं तो आत्मनिर्भर बनते ही, साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवा सकते, तो आज देश की यह स्थिति

न होती और न नये रोजगार पैदा कर पायेगी। ऐसी स्थिति में युवाओं के लिए यही विकल्प बचता है कि वे अपनी आर्थिक समृद्धि के लिए आत्मनिर्भर बनने के उपाय खोजे और स्वावलंबन सीखें। स्वावलंबन के विविध उपायों के माध्य से वे आर्थिक समृद्धि की दिशा में अपने कदम सरलता से बढ़ा सकते हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवा सकते हैं। गौ आधारित उत्पाद निर्माण जैसे-दूध दही,घी, देशी खाद आदि का निर्माण, कुटीर उद्योग, लघु उद्योग मधुमक्खी पालन, हैंड पेपर मिल, खादी उद्योग आदि कई ऐसे विकल्प हैं, जिनमें काम करके व्यक्ति अच्छी कमाई कर सकता है और बेरोजगारी की समस्या से निजात पा सकती है। बेरोजगारी की समस्या का सबसे अच्छा समाधान स्वरोजगार ही हैं प्रकृति के संसाधन, जीवन की आवश्यकतायें और सामाजिक व सरकारी सहयोग-इन तीनां के मिलन से देश के हर व्यक्ति को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है स्वरोजगार में इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि वे कौन सी आवश्यकतायें हैं जो जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं और उनकी पूर्ति हेतु रोजगार सृजन के अवसर तलाशना चाहिए। इसके साथ ही प्रकृति में उपलब्ध संसाधनों और उनके बेहतर उपयोग का ध्यान रखना चाहिए। जैसे- विविधतापूर्ण ताजी सब्जियां ताजी सब्जियों की मांग हर घर की आवश्यकता है यदि उपजाऊ भूमि है तो हर मौसम में तीन बार सब्जियों का अच्छा उत्पादन किया जा सकता है और इसे बाजार तक पहुंचाकर जन आवश्यकता को पूरा करके अच्छे रोजगार से जुड़ा जा सकता है। इसी प्रकार तरह-तरह की जड़ी-बूटियों की मांग देश में ही नहीं विदेशों में भी बहुत ज्यादा है। इनकी पैदावार जंगलों में भी आसानी से हो जाती है। और खेतों में भी उगाया जा सकता है। यदि सामाजिक संस्थाओं व सरकार का सहयोग मिले तो इनको उचित पैदावार के साथ इनके निर्यात की व्यवस्था करके अच्छी कमाई की जा सकती है और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके अलावा बहुत सारे रोजगार के साधन हैं, जिन्हें तलाशने की जरूरत है और सही ढंग से उन पर काम करने की भी आवश्यकता है। हमारे देश में रोजगार बढ़ाने के लिए छोटे उद्योगों का विकास करना सबसे जरूरी है, क्योंकि छोटे उद्योग, बड़े उद्योगों से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं। इस बारे में अर्थशास्त्रियों का यह भी मानना है कि एक निश्चित धनराशि बड़े उद्योगों की तुलना में लघु उद्योगों की तुलना में लघु उद्योगों से बड़े उद्योगों की तुलना में पांच गुना अधिक लोगों को लघु उद्योग रोजगार उपलब्ध कराते हैं। इसलिए देश में लघु उद्योगों के विकास को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी क्षेत्र, व्यापार आदि में रोजगार के ऐसे कारगार उपाय करने चाहिए, जो कई लोगों की बेरोजगारी दूर कर सकें और देश की प्रगति में सहयोग कर सकें।

-ललित राठौर
प्रदेश अध्यक्ष (उत्तराखण्ड)
मो० 9690455226

विनम्र निवेदन

समाज के पूर्णतः समर्पित पत्रिका चेतना संदेश में प्रकाशनार्थ साहित्य की सभी विधाओं की श्रेष्ठ एवम अप्रकाशित रचनाए आमंत्रित हैं।

१. रचना साफ-साफ हस्तलिखित हो टाइप की हुई हो। रचना के अन्त में पूरा पत व हस्ताक्षर होना आवश्यक है।

२. प्रकाशित रचनाओं में किसी भी प्रकार का मानदेह पारश्रमिक देना सम्भव नहीं है।

३. अपने क्षेत्र में होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की सचित्र रिपोर्ट भी भेजे हम उन्हें सहर्ष स्वागत करते हैं।

४. पत्रिका आपसे सभी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा रखती है आप स्वयं एवं समाज प्रेमी बंधुओं, एवं सम्बंधित संस्थाओं को इसके सहयोग के लिए प्रेरित करें।

५. रचना का स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सम्पादक मण्डज की बैठक में किया जायेगा।

६. प्रकाशित रचना में रचनाकार के स्वयं के विचार हो इसमें सम्पादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं हो।

७. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जनपद लखनऊ (उ.प्र.) होगा।

–संपादक

साहू अल्मोनियम एण्ड कान्सट्रक्शन

गवर्नमेन्ट कान्ट्रेक्टर

स्पेशिलस्ट-

अल्मोनियम डोर, विन्डो पार्टीशन, स्ट्रक्चर ग्लास एवं सिविल वर्क आदि।

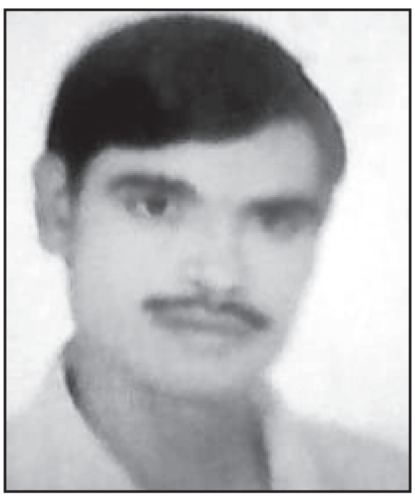

एस.के. साहू

-विधान सभाध्यक्ष-

समाजवादी पार्टी

बिठूर विधान सभा, कानपुर, नगर

-युवा जिला अध्यक्ष-

सर्वतैलिक साहू वैश्यमहासभा

हेड आफिस- सेन पूरब पारा, कानपुर नगर

उत्तर प्रदेश

मोबाइल : 9838686143

• आप अपने मन और इन्दियों के मालिक है गुमान नहीं।

सामान्य ज्ञान जानिए भारतीय संविधान की अनुच्छेद 370 को

धारा 370 भारतीय संविधान का एक विशेष अनुच्छेद (धारा) है। जिसे अंग्रजी में आर्टिकल 370 कहा जाता है। इस धारा के कारण ही जम्मू एंव कश्मीर राज्य को सम्पूर्ण भारत में अन्य राज्यों के मुकाबले विशेष दर्जा प्राप्त हैं। देश की आजादी मिलने के बाद से लेकर अब तक यह धारा भारतीय राजनीति में बहुत विवादित रही है।

ताजा विवाद की शुरूआत पीएओ में राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह के उस बयान से हुई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए बहस शुरू की जाएगी ताकि युवाओ को इसके नुकसान के बारे में जागरूक किया जा सके।

जम्मू- कश्मीर के मुख्यमंत्री की पार्टी पी० डी० पी० के एक वक्ता ने कहा हैं कि या तो अनुच्छेद 370 बरकारार रहेगा या कश्मीर देश से अलग होगा । इसका जवाब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के नेता राम माधव ने एक ट्वीट के जरिए ही दिया। उन्होने लिखा है, जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा रहेगा । क्या घाटी के कुछ नेतागण इसे अपनी पैतृक संपत्ति समझते है?अनुच्छेद 370 रहे न रहे ,जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था और हमेशा रहेगा। आइए जानिए कि धारा 370 है क्या?जो देश के विशेष राज्य कश्मीर में लागू है। अन्य राज्यो में नहीं।

विशेष अधिकार प्रदत्त है-

- जम्मू -कश्मीर के नागरिक के पास दोहरी नागरिकता होती है। एक कश्मीर व दूसरी भारत की ।
- जम्मू -कश्मीर का राष्ट्रीय ध्वज अलग होता है, जो भारतीय राष्ट्रीयध्वज के समकक्ष फहराया जाता है।
- जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है जबकि भारत के अन्य राज्यो की विधानसभाओं का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।
- जम्मू-कश्मीर के अंदर भारत के राष्ट्रीयध्वज या राष्ट्रीय प्रतीको का अपमान अपराध नहीं होता हैं।
- भारत के उच्चतम न्यायालय के आदेश जम्मू-कश्मीर के अंदर मान्य नहीं होते हैं तथा सभी कानून भी मान्य नहीं है।
- भारत की संसद को जम्मू-कश्मीर के सम्बंध में अत्यंत सीमित क्षेत्र में कानून बना सकती है।
- जम्मू-कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के व्यक्ति से विवाह कर लें तो उस महिला की नागरिकता समाप्त हो जायेगी। इसके विपरीत यदि वह पाकिस्तान के किसी व्यक्ति से विवाह कर ले तो उसे यानी पति को जम्मू-कश्मीर की नागरिकता मिल जायेगी
- धारा 370 के कारण कश्मीर में RTI कानून लागू नहीं है। RTI कानून भी लागू नहीं है CAG लागू नहीं हैं। संक्षेप में कहें तो भारत के अधिकांश कानून वहाँ लागू नहीं होते है।
- कश्मीर में महिलाओं पर इस्लामीं शरियत कानून लागू हैं।
- कश्मीर में पंचायत का अधिकार नहीं हैं जैसा भारत के अन्य राज्यों में हैं।
- कश्मीर में चपरासी को वेतन 2500 रूपये ही मिलते है जबकि भारत में लगभग 12,000 से शुरू होता हैं।
- कश्मीर में अल्पसंख्यको (हिन्दू-सिख) को आरक्षण नहीं मिलता और न तो भारत के अल्पसंख्यको को समान अवसर हैं।
- धारा 370 के कारण कश्मीर में बाहर के लोग जमीन नहीं खरीद सकते है। जबकि कश्मीरी भारत में जमीन खरीद सकता है।
- धारा 370 की वजह से ही कश्मीर में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिक को भी स्वतः भारतीय नागरिकता मिल जाती हैं क्योंकि वह कश्मीरी नागरिक हो जाता हैं।

-मनोज साहू, एडवोकेट
राष्ट्रीय परामर्शदाता
मो0 - 9450750386

जागो फिर एक बार

(1)

जागना और सोना जीवधारी प्राणियों की ये दो मूलभूत प्रवृत्तियाँ है। इनके उचित समन्यवय से ही जीवन संचालित होता है। ये दोनों प्रवृत्तियाँ एक सिक्के के दो पहलू हैं। इनमें से किसी का भी तिस्कार जीवन के लिए घातक सिद्ध होता है किसी का अधिक होना या कम होना भी श्रेयस्कर नहीं होता है। जो अधिक सोता है वह उतनी ही माया में अपना सब कुछ खो देता है।इसीलिए जागने और सोने की माया का संतुलन बनाये रखना अत्यंत आवश्यक होता है। जागने से तात्पर्य सक्रिय होने से है और सोने से तात्पर्य निष्क्रिय होने से है।

उपर्युक्त तथ्य की उचितरूपेण ह्रदेयंगम करने के लिए हमें अपने अतीत की ओर दृष्टि-निक्षेप करने की आवश्यकता है। इस तथ्य को भलीभाँति समझने के लिए सबसे पहले हम महात्मा बुद्ध को स्मरण करते है। जीवन के तीन स्वरूपों (रोग, बुढापा, और मृत्यु) को देखकर वे उद्वेलित हो गये और इनसे मुक्ति पाने के लिए सोचने लगे।यही उनके जागरण की प्रेरणा थी, जिसकी ओर अग्रसर होकर वे ज्ञान प्राप्त कर सकें और विश्व को आलोक प्रदान करने में वे समर्थ हुए ।इसी प्रकार रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, महावीर जैसे महात्माओं ने जाग्रत होकर समाज को अपने अमूल्य विचार प्रदान किए।

(2)

विदेशो शासको से छुटकारा पाने के लिए महाराणा प्रताप ,शिवाजी, झाँसी की रानी आदि ने अपने प्राणों की बाजी लगा दी। देश को स्वतंत्र कराने के लिए अनेक देश-भक्तों ने जाग्रत होकर अपना बलिदान तक कर दिया।इसी क्रम में भामाशाह ,कर्माबाई, बाबा गोरखनाथ आदि ने भी स्वयं जगकर लोगों को जगाने का जीवन-पर्यन्त कार्य किया।

जगने का कार्य किसी भी क्षेत्र में हो सकता है। सामाजिक ,आर्थिक ,धार्मिक, नैतिक, आध्यात्मिक आदि किसी भी क्षेत्र में जाग्रत होना सर्वप्रथम होता है। हम संसार में आते है और चले जाते है। सबके दिन किसी न किसी तरह से कट ही जाते है। अच्छा करने वाला और बुरा करनेवाला, दोनों ही, अन्त मे एक ही गति अर्थात् मृत्यु को प्राप्त करते हैं। परन्तु जो व्यक्ति जाग्रत होकर जीवन में कुछ कर जाता है, वह मरकर भी नहीं मरता ।वह अमर हो जाता है ।उसे सभी लोग याद करते है। उससे प्रेरणा लेकर लोग स्वंय जाग्रत होते है। इसके विपरीत जो लोग नहीं जगते है अर्थात् जो लोग जीवन में कुछ अच्छा नहीं कर पाते ,उन्हें सभी लोग भूल जाते हैं। उसके संसार से जाने का गम किसी को भी नहीं रहता।

महाकवि प्रसाद ने 'बीती विभावरी जाग री' का आह्वन किया है। इसी प्रकार 'जाग मुसाफिर और ,अब रैन कहाँ जो सोवत है' का उद्घोष किया गया है, क्योंकि 'जो सोवत है वो खोवत है ,जो जागत है, वह पावत है।' यह कथन सार्वभौम सत्य है। इसको अपना कर ही हम सुखी और प्रसन्न रह सकते हैं।

(3)

अगर हम यह सोचे कि हम कोशिश करके भी जग नहीं सकते, या जगकर भी हम कुछ कर नहीं सकते, तो यह गलत है। हम चाहें तो अवश्य जग सकते है और जगकर भी हम कुछ कर नहीं सकते, तो यह गलत है। हम चाहे तो अवश्य जग सकते है और जगकर बहुत कुछ कर सकते हैं।बस हमें स्वयं को उत्प्रेरित करने की आवशकता है। हममें सारी वो खूबियाँ है जो अच्छे लोगों में होती है। कमी हमारी यह है कि हम उन्हें पहचानतें नहीं है। नैपोलियन बोनापाई के शब्दकोष में 'असम्भव' शब्द था ही नहीं ।हमें इसी प्रकार की शिक्षा लेनी चाहिए । हम चाहे तो सब कुछ

• आप की घड़ी वाटरप्रुफ, अपनी कम्पनी अच्छी रखिए भक्त जनों की संगत कीजिए। आप का अन्ताकरण भी दुख प्रूफ हो जाएगा।

कर सकते है, बस जरूरत है तो आगे क्रियाशील होने की ।

चींटी जैसी जीवधारी भी ,बार-बार गिरने पर भी उठती है और आगे बढ़ती है ।अन्त में वह सफलता प्राप्त करती है। हमें उससे शिक्षा लेनी चाहिए ।इसी प्रकार के कई अन्य उदाहरण भी हैं जिनसे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

कुछ लोग ऐसे होते हैं जो सोचते हैं कि हम तो जगे है परन्तु कुछ अच्छा नहीं कर पायें। यह सोच भी गलत है ।वास्तव में हम जगे ही नहीं ।सच्चे रूप से एक बार जग कर ही हम सब कुछ कर सकते है। इसीलिए हमें फिर कोशिश करनी चाहिए जागने की। इस बार हम तहे दिल से जगने की कोशिश करें और वास्तविक रूप से हम जग जायें ।हमें सफलता अवश्य मिलेंगी।

मैथिलीशरण गुप्त भी कहते हैं कि
विचार लो कि मृत्यु हो,
न मृत्यु से डरो कभी ।
मरो परन्तु यों मरो
कि याद भी करें सभी।
यहीं पशु प्रवृत्ति हैं कि
आप आप ही चरे ,
वहीं मनुष्य है कि जो
मनुष्य के लिए मरे।'

अंत में मेरी सबसे प्रार्थना है कि 'जागो फिर एक बार।'

जागो फिर एक बार ।
जीवन में हार नहीं मानो तुम,
अगर गिरते हो तो उठने की ठानो तुम।
सफलता तेरे द्वार खड़ी यह जानो तुम,
हिम्मत के साथ निज लक्ष्य संघानो तुम।।
विजयी होकर तुम बाँटोगे प्यार,
जागो फिर एक बार।।
जो सोया वो खोया,जो जागा सो पाया,
जो खोया सो रोया,जो पाया हरवाया।
ऐसे समर्थ जन पर हावी नहीं माया,
सभी अच्छे लोगो ने हमें यही समझाया।।
यह जीवन का उत्तम है सार
जागो फिर एक बार।।

-डॉ० भक्तराज शास्त्री
सीतापुर रोड लखनऊ।

आई.ए.एस.-2016 में सफल अभ्यर्थियों की सूची

क्रमाक	नाम	प्रदेश	रैक
1	**श्री शैलेस कुमार राठौर**	हरदोई उ.प्र.	**41**
2	**श्री नरेंद्र कुमार शाह**	सिंगरौली म.प्र	**86**
3	**श्री राहुल देव**	छत्तीसगढ़	**279**
4	**श्री एम. सुदर्शन**	आंध्रप्रदेश	**526**
5	**श्रीमती विद्यावती**	हिमांचल प्रदेश	**600**
6	**श्री शिव प्रसाद**	कर्नाटक	**622**
7	**श्री सिद्धार्थ कुमार**	रांची झारखण्ड	**675**

1. श्री जितेन्द्र साहू , पीसीएस–2016, संयुक्त व्यापार कर अधिकारी

1. कु. निशा साहू — कानपुर (तृतीय स्थान) हाईस्कूल यूपी बोर्ड 2016

तैलिक समाज के विविध क्रिया-कलाप

रायबरेली- २६ मार्च २०१६ को में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम संतोष गांधी जिला अध्यक्ष, रायबरेली के सयोजन में सम्पन्न हुआ मुख्य अतिथि राम नरायण साहू राष्ट्रीय अध्यक्ष-भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा ने भाई चारे का प्रतीक होली का पर्व पर विस्तार से चर्चा किया

-संतोष गांधी जिलाध्यक्ष, रायबरेली

लखीमपुर- ३ अप्रैल दिन रविवार को जनपद का होली मिलन का कार्यक्रम हर्ष उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ मुख्य अतिथि राम औतार साहू राष्ट्रीय संगठनमंत्री भारतीय तैलिक साहू राठौर महा सभा- उपस्थिति रहे । केशवराम राठौर जिला इकई के अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के हाथो द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशंसापत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

-धमेंद्र राठौर

जिला युवा संगठन मंत्री धमेंद्र राठौर

फतेहपुर- ३१ मार्च २०१६ दिन बृहस्पति को गेस्ट हाउस में होली मिलन धूमधाम से मनाया गया जिला अध्यक्ष राजेस साहू के सयोजन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ अध्यक्ष गंगा प्रसाद साहू ने की। प्रदेश के पदाधिकारी एवम राष्ट्रीय पदाधिकारी स्नेह एवं प्रेम सौहाद्र के त्यौहार होली की सभी आगन्तुको को बधाई दी इन्द्रजीत साहू कानपुर, जैकिशन साहू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गाजीपुर प्रदेश अध्यक्ष डा.डी.सी. गुप्ता महिला महामंत्री अर्चना साहू आदि लोगों द्वारा कार्यक्रम में अपनी गरिमा उपस्थिति से कार्यक्रम सफल बनाया।

-प्रेमलाल साहू

फतेहपुर

केरल- १३ मार्च दिल रविवार केरल प्रदेश का प्रातींय एक दिवसीय अधिवेश हर्ष उल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू पूर्व सासंद मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी सोमा मादू मोदी गुजरात उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। करेल प्रदेश के अध्यक्ष मिस्टर के रंगानाथन के संयोजन में कार्यक्रम किया गया। दक्षिण भारत में अपना समाज चकला जाति से जाना जाता है। अतिथि सुमन साहू प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र महिला जागृति से समाज आगे बढ़ सकता है।

कानपुर- ३ अप्रैल रविवार-स्थान गोकुलधाम सरसैयाघाट में समाज का आंठवा सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू सांसद-भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा को कानपुर जिला इकाई द्वारा आयोजित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता भाई इन्द्रजीत साहू वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवम सयोजक समाज सेवी पदम चन्द्र साहू एडवोकेट वीरेंद्र साहू एवम ओमप्रकाश साहू सुन्दर के सहयोग से कार्यक्रम को सफलता मिली। समाज की स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया नवयुगल दम्पतियों को मुख्य अतिथि ने समाज के लोगों से कहा महंगाई के इस दौर में समूहिक शादी कार्यक्रम का आयोजन करना बहुत ही पूर्ण का कार्य है। फिजूलखर्ची का नियंत्रण करना सामाजिक दहेज उन्मूलन, दिखावा आदि से छुटकारा पाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थिति जवाहर लाल साहू सलाहकार संस्था के प्रदेश संरक्षण जुगलकिशोर साहू एडवोकेट नरेश साहू जिलाध्यक्ष उदय नारायण साहू, नगर अध्यक्ष आदि वरिष्टठ लोगों ने आर्शीवाद देकर गौरवान्ति महसूस किया व कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में गांधी जी मार्ग चलने का आहवन किया। शिक्षा से समाज को जागरूक बनाने का सकंल्प दोहराया। शिक्षा की शक्तिशोषण से मुक्ति मंत्र की तरक्की संभव है।

डा. जय प्रकाश साहू कानपुर

मो. 9236474747

अम्बेडकरनगर- दिनांक ३० जनवरी को शहीद दिवस में डवाकरा हाल, ब्लाक परिसर, अकबरपुर अम्बेडकरनगर कार्यक्रम संयोजक-राजमार्ग साहू संस्था के जिला इकाई के अध्यक्ष मुख्य अखिल भारतीय तैलिक साहू, राठौर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम पूर्व सांसद माननीय रामनारायन साहू, राष्ट्रीय प्रभारी श्री जितेन्द माथुर राष्ट्रीय सचिव श्री मोहन लाल गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष गांधी डी.सी. गुप्ता

• अच्छी पुस्तकें जीवन्त देव प्रतिभाएं है उनकी आराधना से तत्काल प्रकाश और प्रकाश मिलता है।

महामंत्री संगठन रमाशंकर गुप्ता महिलासभा महामंत्री अर्चना साहू एवम जिला अध्यक्ष विनदेश्वरी साहू आदि अतिथि उपस्थित दर्ज करा कर दिनांक ३० जनवरी दिन शनिवार अम्बेडकरनगर विगत वर्षों की भांति- महात्मा गांधी की पूणतिथि के अवसर पर आयोजित शहीद दिवस धूमधाम से मनाया गया।

ग्वालियर

समाज ही हमारी पार्टी है, समाज का विकास हमारा लक्ष्य है- सोमभाई मोदी ग्वालियर- २१ दिसम्बर स्थान- लक्ष्मीबाई नेशनल इन्स्टीटूट आफ फिजकल एजूकेशन सभासार में आयोजित भारतीय तैलिक साहू महासभा के महा सम्मेलन में प्रधान मंत्री के बड़े भाई सोम भाई मोदी ने समाज के लोगों को आहवान करते हुए कही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मोदी ने कहा समाज ही हमारी पार्टी है और समाज का विकास ही हमारा लक्ष्य है। हम किसी राजनीतिज्ञ पार्टी के नहीं है। समाज का विकास कैसे हो इस पर मंथन करने के लिए हम यहा इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने कहा पूरे देश का तैलिक समाज एकजुट हैं, समाज को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर व्यापक स्तर पर प्रयास किये जाएगे। इसके पूर्व उध्योग विभाग के महाप्रबंधक श्री एमएल अटल ने उद्योग लगाने की प्रक्रिया पर विस्तार से बताया। इस सम्मेलन में देश से आए १५ राज्यों क समाज के लोगों ने भाग लिया इस दौरान देश में समाज की निकलने वाली पत्रिकाओं के प्रतिनिधियें को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता राष्ट्रीय प्रभारी जितेन्द्र माथुर ने की। कार्यक्रम का सयोजन राष्ट्रीय युवाअध्यक्ष मेवालाल एवम नरेन्द्र साहू प्रदेश अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया। संस्था के राष्ट्रीय प्रभारी जितेन्द्र माथुर ने शिक्षा पर बोलते हुए कहा बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देकर कहा बेटी के पढ़ने से दो घर शिक्षित हो जाते हैं। चेतना संदेश के सम्पादक रमाशंकर गुप्त ने सम्बोधन में कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है अतः साहित्य प्रेमियों से अनुरोध किया कि पत्रिकाओं के लिए लेख, विज्ञापन का सहयोग दें। कार्यक्रम साहू दर्पण के सम्पादक नरेंद नरेला इंदौर, साहू सम्पर्क के कार्यकारी सम्पादक अशोक साहू, राठौर ज्योति, घांची वाणी, साहू संदेश शिक्षका राम लखन नन्दू साहू मित्र, सहित दर्जनों सामाजिक पत्रिकाओं के सम्पादक एवम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित होकर कार्यक्रम की गौरव को बढ़ाया।

कार्यक्रम में सत्य नारायण साहू, विनोद साहू
राजवीर, गुरू प्रसाद झांसी, राजवीर राठौर

बद्री प्रसाद साहू कैलास सोनारी, दीपक साहू, दिनेश साहू सिल्लन युवा प्रदेश अध्यक्ष (म.प्र.)

-सम्पादक

क्या आप जानते हैं ?
साहू स्वजातियों के उपनाम

हरियाणा में	गुप्ता
पंजाब में	सेठी
उत्तर प्रदेश	गुप्ता साहू
उत्तर प्रदेश	राठौर,माथुर, मथुरिया जायसवाल
नेपाल में	साहू जी
राजस्थान में	घांची राठौर
उत्तरीय गुजरात	साहू, मोदी
उत्तरी मध्य प्रदेश	मोदी
मध्य प्रदेश	गुप्ता
पूर्वी मध्य प्रदेश	राठौर
पश्चिमी मध्य प्रदेश	साहू
दक्षिण महाराष्ट्र में	तेली
मध्य महाराष्ट्र में	साहू
कर्नाट में	गनियार
केरल में	वानिका-चकाला
दक्षिण तमिलनाडु में	चेटटीयार
उत्तरी आंध्रप्रदेश में	गाद्रला/गांडला
उड़ीसा में	साहू
उत्तरी बिहार में	साहू
अरूणाचल प्रदेश में	साहू
पश्चिम बंगाल	गरई डे, गोराई, साहा, साधू खान, चौधरी, दास, पात्रा, कुण्डु।

-कु. मनीषा साहू,
लाटूश रोड़, लखनऊ

• सबसे बडा दीन दुर्बल वह है जिसका अपने ऊपर नियन्त्रण नही हैं।

कवर पेज का विस्तृत विवरण

तैलिक महाकुंभ, झांसी

दिनांक–३–४–५/ अप्रैल २०१६ को झांसी (उ.प्र.) में तैलिक महाकुंभ भक्त शिरोमणि मां कर्माबाई की एक हजार वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास से मनाई गयी। तथा संस्था का एक दिवसीय गोष्ठी सम्मेलन दीनदयाल सभागार झांसी में ४ अप्रैल को किया गया। मां कर्मा माता की १००० वहिनों द्वारा बड़ा गांव गेट से कलस यात्रा निकालकर संयोजक गण जगदीश साहू, हरभजन साहू, कैलास साहू एवं सम्पूर्ण जनपद के समाज प्रेमी भाईयों वहिलों द्वारा उत्साहपूर्वक मां भक्त शिरोमणि मां कर्मा की मूर्ति का अनावरन माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया। ऐतिहासिक कार्यक्रम की सफलता के लिए अपार एक जुटता का परिचय दिया। देश के बुंदेलखण्ड की धरती पर समाज परदादा धनुहां तेली की रणभूमि मैथिलीशरण गुप्त की कर्मभूमि में एवं भक्त शिरोमणि कर्मा माता जी जन्म भूमि (शिवपुरी झांसी) में देश के कोने–कोने से आए समाज के प्रेमी बंधुओ को अपनी कुलमाता की हजारवीं जयंती पर उत्साहित थे सह महाकुंभ अपनी विशिष्टताओं व सफलतापूर्वक के लिए हमारे समाज के प्रगति प्रयासों की श्रंखला में सदैव स्वाभिमान के साथ स्मरण किया जायेगा। इसके लिए जिले के सभी पदाधिकारी सदस्य व विशेषकार जगदीश साहू, हरभजन साहू, कैलास साहू व उनके समस्त सहयोगी विशेष रूप से धन्यवाद के पात्र है सस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू जी पूर्व सासंद जो सदैव से समाज की प्रेरणा का स्रोत रहे हैं उनका सतत् प्रयास व मार्ग दर्शन में कार्यक्रम का शुभांरभ हुआ (कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा० सोम भाई मोदी जी एक सप्ताह के लिए विदेश भ्रमण के कारण न आ सके) देश भर के विभिन्न प्रदेशों से कार्यकर्ता प्रबुद्ध नागरिक अधिकारी सांसद, विधायक व प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया बल्कि उसे आकर्षक, अनुकरणीय व ऐतिहासिक बना दिया। उपस्थित विशिष्ट अतिथियों व महानुभावों का स्वागत। झांसी के पदाधिकारियों द्वारा गुलदस्ता, साल, मां कर्मा का स्मृति चिन्ह देकर गौरवान्ति किया। कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों में श्री उमेश नंदलाल कार्यवाहक अध्यक्ष नागपुर श्री मेवालाल युवाअध्यक्ष ग्वालियर– मि. के रंगानाथन प्रदेश अध्यक्ष केरल, श्री वंशीधर सा अरविंद गांधी व लिया राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुमन साहू महिला प्रदेश अध्यक्ष बम्बई, श्री तोखन साहू मंत्री छत्तीसगढ़, श्री चन्दिका प्रसाद इलाहाबाद राष्ट्रीय मंत्री श्री जवाहर लाल साहू सदस्य राज्य पिछड़ावर्ग आयोग श्रीमती अर्चना साहू प्रदेश महिला महामंत्री (उ.प्र.)

श्री महेश साहू 'राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नई दिल्ली, श्री इन्द्रजीत साहू वरिष्ठ उपाध्यक्ष कानपुर, श्री जैकिशुन साहू पूर्व उपाध्यक्ष खादी बोर्ड गाजीपुर, श्री डा. डी सी. गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष (उ.प्र.), श्री अजुन देव नेरला– सम्पादक साहू दर्पण इन्दौर, श्री राकेश साहू होशंगाबाद श्री राम औतार साहू लखीमपुर, संगठन मंत्री,श्री केवश राम राठौर जिला अध्यक्ष लखीमपुर, श्री अतर सिंह राठौर प्रदेश संरक्षक जालौन, श्री शिवसागर साहू सहसम्पादक चेतना संदेश, लखनऊ। श्री सुरेंद गुप्ता कुशीनगर, श्री संजय गुप्ता अध्यक्ष–कुशीनगर, श्री संतोष साहू सदस्य फिल्म सेंसर बोर्ड बलरामपुर, श्री लालजी गुप्ता पिक्चर निर्माता बम्बई,रंजीत साहू एवम गुरू प्रसाद साहू, झांसी।

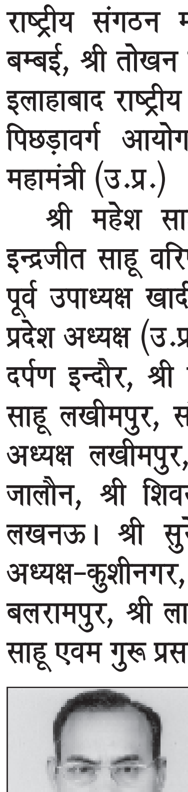

गुरू प्रसाद साहू,
सचिव
मोबाइल : 9453493200

• मनुष्य अपनी इन्द्रियों का दास नहीं वह उनका नियन्तकर्ता और स्वामी है।

जिला सम्मेलन अम्बेडकर नगर उ0प्र0 में सम्मानित मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू रा0प्रभारी श्री जितेन्द्र माथुर, प्रदेश अध्यक्ष, गांधी डी.सी. गुप्ता, सुश्री माया साहू, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जैकिशन साहू, जिलाध्यक्ष राजमणि साहू एवं प्रदेश महासचिव(संगठन) रमाशंकर गुप्ता,एडवोकेट

जौनपुर में पी.सी.एस. में उत्तीर्ण समाज का बेटा जितेन्द्र गुप्ता को सम्मानित करते प्रदेश अध्यक्ष गांधी डी.सी. गुप्ता एवं महिला महामंत्री श्रीमती अर्चना साहू

बंग्लौर में यू.पी.टी.यू. द्वारा मीडिया प्रभारी श्री राजेश साहू को सम्मानित किया गया।

तैलिक महाकुम्भ, झांसी में समाज की महिलाओं द्वारा एतिहासिक कलश यात्रा निकाली गयी।

केरला के प्रदेश सम्मेलन में सम्मेलन को सम्बोधित करते प्रदेश अध्यक्ष के.रंगनाथन मंचपर राजमोहन मोदी, सोमभाई मोदी एवं रामनरायन साहू।

केरला में महाभारत–रामायण को मलयालम भाषा में लिखने वाले रामाअनुजम मन्दिर का उद्‌घाटन करते श्री सोम भाई मोदी एवं श्री राम नरायन साहू।

जिला सम्मेलन अम्बेडकर नगर में मंच के सामने एकत्रित भीड़।

श्री राम नरायन को सम्मानित करते श्री सोम भाई मोदी एवं केरला के प्रदेश अध्यक्ष के. रगनाथन।

सामुहिक विवाह, कानपुर में श्रीमान राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री इन्द्रजीत साहू एवं पदम चन्द्र गुप्ता।

लखनऊ में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को ज्ञापन देतु हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव प्रसाद मौर्य श्री शिव प्रताप शुक्ला(सांसद) के साथ श्री रामनरायन साहू पूर्व सांसद व अन्य।

लखनऊ आई.ए.एस. में चयनित शैलेश कुमार राठौर एवं हाईस्कूल में टापर निशा साहू को सम्मानित करती महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू साथ में श्रीमती अर्चना साहू एवं कंचन राठौर।

लखनऊ आई.ए.एस. में चयनित शैलेश कुमार राठौर को सम्मानित करते डा0 पी0के0 गुप्ता।

लखनऊ आई.ए.एस. में चयनित शैलेश कुमार राठौर को सम्मानित करते श्री अरविन्द गांधी रा0 महामंत्री संगठन।

लखनऊ आई.ए.एस. में चयनित शैलेश कुमार राठौर को मोमेन्टो से सम्मानित करते संस्था के रा0 अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू एवं श्री अरविन्द गांधी

मैसूर कर्नाटका में समाज की महिलाओं को सम्मानित किया गया।

उड़ीसा के समाज के कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में कुन्दनलाल साहू रा0युवा महामन्त्री एवं उड़ीसा के युवा अध्यक्ष बीरबल साहू।

संगठन के युवा संगठन मन्त्री एस.पी. गुप्ता के नेतृत्व में चार राज्यों को दौरा किया रा0 कार्यवाहक अध्यक्ष उमेश साहू एवं युवा कार्यवाहक अध्यक्ष सुनील कुमार साहू।

तैलिक महाकुम्भ झांसी में माँ कर्माबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू।

तैलिक महाकुम्भ झांसी में समाज के सभी सम्मानित पदाधिकारिगण।

सामूहिक विवाह-एक चेतना''

दहेज की धधकती ज्वाला में आए दिन विवाहिताओं के आत्मदाह के प्रकरण आते रहते हैं कन्या भ्रूण हत्याऐं तो नारी सम्मान के लिए अभिशाप बन गये हैं विश्व की आधी शक्ति नारी आज आश्क्तता की परिधि में अपने को पाती है तज्जनित होता है कन्या-भ्रूण हत्याओं का क्रम प्रारम्भ।

समाज में व्यय साध्य वैवाहिक कार्यक्रम एवं दहेज प्रथा से उत्पन्न स्थितियां व्यक्ति को क्या, समाज को ही अन्दर से खोखला कर देती हैं। इन्हीं विसंगतियों से नारी की स्थिति समाज में कमजोर दिखती है।

मंहगाई ने सामान्य जन-जीवन को झंझोड़ कर रख दिया है। जीवनयापन ही करना व्यक्ति के लिए आज की मंहगाई में जटिल सा है फिर बड़े ताम-झाम के साथ वैवाहिक आयोजन व्यक्ति की कमर ही तोड़ देते हैं और प्रारम्भ होती है लड़कियों की परिवार में उपेक्षा।

जन मानस को ऐसी पृष्ठभूमि का निर्माण करना होगा जिससे हम समाज की सम्मानजनक नारी शक्ति को पूर्ण सम्मान दिला सकें। आज की परिस्तितियों में हमें व्यक्तियों के मानस को बदलना होगा जिसके लिए व्यय साध्य वैवाहिक कार्यक्रमों की परम्परा में हमें परिवर्तन करके आदर्श सामूहिक विवाहों को अपनाना होगा। सभी को ऐसे विवाहों को प्रेरणा स्त्रोत मानते हुए आत्मसात करके अपनाना चाहिए।

कहें प्रमोद सब आदर्श विवाह अपनाओ।
भव्य विवाहों को समाज से दूर भगाओ।।
कन्या को सम्मान दिलाना ध्येय बनाओ।
संगठित करके सबको उन्नत समाज पाओ।।

ऐसे कार्यक्रम हमें जहां जटिलताओं से सहजता की ओर ले जाते हैं। वहीं मंहगे विवाह स्थल, टेंट, विद्युत साज-सज्जा तथा बैंड बाजों के अपव्यय से हमें बचाते हैं।

सामाजिक वैवाहिक कार्यक्रम जब बोझपूर्ण नहीं होंगे तब वैवाहिक कार्यक्रम उल्लास पूर्व जीवन का पर्व होंगे। कन्या हमें बोझ नहीं परिवार की आदरपूर्ण श्रृंखला प्रतीत होने लगेगी।

आदर्श सामूहिक विवाह हमें संगठित इकाई होने की चेतना देते हैं, जिससे हमारा एक साथ बंधकर खड़े होना एकशक्ति का प्रतीक बन जाती है। फिर चाहे सामाजिक पृष्ठभूमि हो चाहे राजनैतिक पृष्ठभूमि हो हमारी भागीदारी हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिक निभएगी। संगठित होना वशक्ति है जिसके आगे सभी को झुकना पड़ता है।

आदर्श सामूहिक विवाह जहां हमारे अपव्यय होने वाले धन को बचाते हैं, वहीं आज के वयस्त जीवन में हमारे कीमती समय को भी बचत करते हैं। जब हम व्यक्तिगत स्तर पर वैवाहिक तैयारी करते हैं तो हमें काफी पहले से सारे काम योजनाबद्ध तरीके से करने होते हैं, वहीं कार्यक्रम जब सामूहिक स्तर पर करते हैं तब हमारे समय की भी बचत होती है।

सामाजिक संगठन बोध हमारे जीवन में आतुलित ऊर्जा भरते हैं, जिससे हमारा एकाकीपन दूर होता है। एकाकीपन वह दंश है जो व्यक्ति को अन्दर ही अंदर असहाय बना देता है।

आदर्श सामूहिक विवाहों की ओर रूझान सभी व्यक्तियों का बन जाए तो वैवाहिक परम्परा में एक क्रांति आ जाएगी यह सामाजिक वैवाहिक परम्परा बोझ हीं रह जायेगी।

कन्या हमारे लिए सम्मान जनक तब होगी जब हमारे लिए वह बोझ नहीं होगी और तभी अर्थ से संबंधित पारिवारिक धरातल के अपराधों पर निश्चित रूप से अंकुश लग जाएगा।

आदर्श सामूहिक विवाह जहां समाज में नई चेतना लाते है। वहीं समाज में होने वाले अपराधों को रोकते हैं। इस तरह से आदर्श सामूहिक विवाहों का योगदान सामाजिक, राष्ट्रीय उत्थान में भी अकथनीय होता है।

ऐसे कार्यक्रम में आहूतित सामाजिक बंधु भी कम आदर के पात्र नहीं होते, जो सामाजिक परम्पराओं में आमूल परिवर्तन लाने के लिए तन-मन धन से समर्पित रहते हैं। नारी को समाज में सम्मान दिलाने हेतु सामूहिक आदर्श कार्यक्रम संसार में अमृत का कार्य करते हैं।

-प्रस्तुतकर्ताः
हीरा लाल गुप्ता
संगठन मंन्त्री
मो० 9415464619

ॐ

शालीनता की स्वयम् शैलियों से करो ब्याह ,शादी ,सगाई
करना नहीं बन्धु सपनो में भी बेवफाई ।।

बेटी बना ले बहू को जो अपनी उसे सिर जमाना झुकाय जो ताड़ना
दे बहू को सदा वह नहीं काम गैरों के आये।

झूठे सुखों के लिए न करो पुत्र को बेच करके कमाई लालच।

में रिश्तों से करना नहीं बन्धु सपनों में भी बेवफाई ।।

परहित के कारण मिली जिन्दगी न इसे तुम कभी यू गवाँना।
बेबस पिता लायें बेटी का रिश्ता तो ठोकर उसे न लगाना।।

उतने में सन्तोष करना मेरे बन्धु जितनी है उसकी कमाई।
लालच में रिश्तों से करना नहीं बन्धु सपनों में भी बेवफाई।।

निर्धन की बेटी कुँवारी रहे न नियम नीति ऐसी बनाना।
लाखों में सन्तान नीलाम करके न मस्तक में चन्दन लगाना।।

जिन्दा जलाकर ,बुझाकर बहू की न घर से करोगे विदाई
लालच में रिश्तों से करना नहीं बन्धु सपनों में भी बेवफाई।।

क्या संस्कारी गुणों के बिना मान-सम्मान लोगों ने पाया।
क्या बिन बहू के किसी ने कभी 'लाल' गोदी मे अपनी खेलाया।।

डस लें ससुर ,सास ,शौहर बहू को तो होती है जग हँसाई।
लालच में रिश्तों से करना नहीं बन्धु सपनों में भी बेवफाई।।

गीतकार --साहू मुनिलाल
''साहू सदन'' गांधीनगर
शुक्लागंज, उन्नाव
मो. 9838847877

• नारी का लज्जा ही उसका वस्त्र है आचारण ही उसका गहना है।

सकारात्मक चिंतन का महत्व एंव प्रभाव

हमारा मस्तिष्क हर समय व्यस्त रहता है, किसी न किसी चिंतन में लगा रहता है। कुछ न कुछ सोचता रहता है। मस्तिष्क जिस प्रकार के विचार सोचता है वे या तो सकारात्मक होते है या नकारात्मक । हम जो भी सोचते है जिस प्रकार के हमारे विचार होते हैं, उसी प्रकार के हम वचन अपने मुँह से बोलते है ।जिस प्रकार से हम वचन बोलते है, उसी प्रकार के हमारे विचार बनने प्रारम्भ हो जाते है। दरअसल हमारे मुँह और कान के बीच केवल तीन-चार इंच की दूरी है।अतः हम जो भी बोलते है उसे सुनने वाले और निकटतम व्यक्ति ही होते हैं।पहले जिससे निश्चित रूप से उसका प्रभाव सबसे अधिक हम पर ही पड़ता है और हमारे विचार भी उसी प्रकार बनने प्रारम्भ हो जाते है। यदि आप अपने किसी परिचित से उसका हाल पूछ बैठें तो बहुत बार इस प्रकार का जवाब मिलता है-

बस घिसट-घिसट कर चल रहा हूँ ,बुरा हाल है हालात बदतर और खराब होते जा रहे है।' मैं अपने एक मित्र के घर बैठा हूँ और अचानक बिजली गुल हो जाती है जो भी चार-पाँच लोग बैठे हैं दुःख से भर उठते है और जोर से चिल्लाने की आवाज आती है। ओह......... बिजली को भी इसी समय जाना था।क्या यार ,मूड खराब कर दिया।यदि कोई भी दो व्यक्ति आपस में मिलते हैं तो बात शुरू करने के लिए मौसम की कमियाँ निकालने से अच्छा तो कोई विषय हो ही नहीं सकता जैसे कि- क्या सड़ी गर्मी पड़ रही है। गर्मी ने तो जनजीवन अस्त-व्यस्त कर रखा है। हर तरफ बरसात की वजह से कीचड़ फैला है।रोजमर्रा की बोलचाल में इस प्रकार के वाक्यों का प्रयोग करके हम क्या प्राप्त कर रहे है?सकारत्मक विचार धारा या नकारात्मक विचारधारा ?यह छोटे-छोटे निराशा से भरे वाक्य हमारे साथ-साथ हमारे आस-पास के वातावरण को भी निराशाजनक बनाते हैं।निराशाजनक बातों से उठने के पश्चात् हम बहुत अच्छा महसूस नहीं करते। क्या आपने किसी बरगद के पेड़ को कटते हुए देखा है?कभी भी पेड़ करे पहली बार में ही तने से नहीं काटा जाता ।पहले उसकी टहनी काटी या तोड़ी जाती हैं और अंत में आरा मशीन से तने को उड़ा दिया जाता है।अन्यथा यदि हम पहले ही तने को काटने का प्रयास का करते हैं तो खुद भी घायल हो सकते हैं और आसपास के लोग या वृक्ष भी वो जो निराशारूपी बरगद या विराट नकारात्मक वृक्ष हमारे भीतर खड़ा हुआ है उसे काटने के लिए पहले हमें उसकी टहनियों को काटना पड़ेगा जो कि यही रोजमर्रा के जीवन में प्रयुक्त छोटे-छोटे नकारत्मक वाक्य है। यह सब प्राकृतिक रूप से हमारे मुँह से निकलता ही है किन्तु हम थोड़ा सा प्रयास करके कुछ ऐसा बोल सकते हैं जो हमें और हमारे आसपास के वातावरण को सुख प्रदान करने वाला हो जैसे कि-''हालात ज्यादा अच्छे तो नहीं हैं लेकिन अच्छे बनाने के प्रयास जारी हैं। जल्दी ही सब ठीक हो जायेगा''।''देखो आकाश में में फैला बादलों का झुण्ड कितना अच्छा लग रहा है। सूर्यास्त का दृश्य कितना सुन्दर लग रहा है ''। हमने अपनी आदत बना ली है कि रोजमर्रा के बोलचाल में अधिक से अधिक निराशाजनक या नकारात्मक वाक्यों का प्रयोग किया जायें। ऐसे वाक्यों का निरंतर प्रयोग हमारी मनःस्थिति को भी ऐसा ही बना देता है इसलिए हमें अपनी बोलचाल में प्रशंसा का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए और निन्दा का अधिक से अधिक परित्याग क्योंकि प्रशंसा करने से वे गुण जिसकी प्रशंसा की जा रही है स्वतः हममे आने लगते हैं और निंदा करने से वे दुर्गुण । इसी प्रकार दुःख उत्पन्न करने वाली वार्ता करने से हमारा दुःख और सुख उत्पन्न करने वाली से सुख बढ़ता है। जो व्यक्ति हँसमुख स्वभाव के होते हैं उनसे मिलने का मन बार-बार करता है क्योंकि उनसे मिलने के बाद अच्छा लगता है।वे खुद भी रहते हैं और उनके आसपास का

महौल भी खुशनुमा रहता है।एक बार टी० वी० पर एक प्रसिद्ध किन्तु वृद्ध व्यक्ति का जो भी लगभग 78 वर्ष का रहा होगा, साक्षात्कार चल रहा था ।वह प्रत्येक प्रश्न का उत्तर कुछ इस प्रकार देंता था कि श्रोंताओ की हँसी रोके नहीं रूकती थी जिससे सबके हँस-हँस कर पेट में बल पड़े जा रहे थे। अन्त में साक्षात्कार लें रहें व्यक्ति ने उनसे पूछ ही लिया साहब !इस उम्र में भी आपकी इस जिंदादिली का क्या राज है?यह सुनकर वह सज्जन बोले-भाई पहली बात तो यह है कि जिंदादिली का उम्र से कोई लेना-देना नहीं हैं और दूसरी बात यह यह कि जब मैं सुबह सोकर उठता हूँ तो मेरे सामने दो विकल्प होते हैं-खुश रहना या दुःखी रहना और आप क्या सोचते हैं कि मैं क्या चुनता होऊँगा।मैं खुश रहना ही चुन लेता हूँ और दिन भर खुश रहता हूँ। और यदि हम खुश रहना चुन रहें तो हमें सबसे पहले निराशाजनक या नकारात्मक वाक्यों का परित्याग करना होगा अन्यथा हम निराशा के गर्त से कभी निकल कर सकारत्मक सोच वाले नहीं बन सकेगें तो रोजमर्रा की बोलचाल से नकारत्मक वाक्यों का निकाल देने से हमें क्या लाभ होगा होगा? खुश रहने का संकल्प कर लेने से हमें क्या लाभ होगा ? ऐसा करने से हमारे विचार सकारात्मक हो जायेंगे, हमारा चिंतन सकारत्मक हो जायेगा, आशाजनक हो जायेगा। दरअरल प्रत्येक विचार जो कि हमारे मस्तिष्क में उत्पन्न होता है, हमारे शरीर में एक रासायनिक प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी होता है इसके फलस्वरूप हमारे शरीर में एक रसायन की उत्पत्ति होती है। आशाजनक ,सुखपूर्वक या सकारात्मक विचारों के कारण उत्पन्न रसायन हमारा स्वास्थयवर्द्धन करने वाला होता है और दुखपूर्वक ,निराशाजनक या नकारात्मक विचारों के कारण उत्पन्न रसायन हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। एक व्यक्ति से डॉक्टरों ने कहा कि वे एक प्रयोग करना चाहते हैं। जब भी वह व्यक्ति खुश हो इतना खुश हो कि खुशी के कारण उसके आँसू निकलने लगे तो वह डॉक्टरों को बुला ले । उसने ऐसा ही किया और डॉक्टरों ने उसके उन खुशी के आँसूओं को एक परखनली में एकत्रित कर लिया। फिर डॉक्टरो ने उससे कहा कि अब जब भी वह इतना दुःखी हो जायें कि दुःख के कारण उसके आँसू बहने लगे तो वह उन्हें बुला लें।

उसने फिर ऐसा ही किया और डॉक्टर उसके दुख के आँसुओं को भी परखनली में एकत्र कर के लें गये ।फिर दोनो प्रकार के आँसूओं का रासायनिक विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि खुशी के आँसुओं और दुःख के आँसुओं में गये तत्व बिल्कुल अलग-अलग थे। खुशी के आँसुओं में पाये गये तत्व स्वास्थ्यवर्द्धक थे जबकि दुःख के आँसुओं में पाये गये तत्व स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक थे ।इसी प्रकार एक 86 वर्षीय वृद्ध की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी। उसका पोस्टमार्टम किया गया ।जब पोस्टमार्टम की रिर्पार्ट आयी तो डॉक्टर आश्चर्यचकित रह गये।पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के अनुसार उस व्यक्ति के इतनी गम्भीर बीमारियाँ थीं कि उसे लगभग 20-25 वर्ष पूर्व ही मर जाना चाहिए था । डॉक्टरों ने जब यह बात उसके घरवालों से पूछी कि इस व्यक्ति को इतनी गंभीर बीमरियों के बावजूद इतनी लम्बी उम्र का राज क्या था? तो जवाब मिला कि वह व्यक्ति अपनी परेशानियों और बीमारियों को हर समय रोना रोते रहने की बजाय हर समय खुश रहता था और सबको हँसाता रहता था।इस प्रकार हमने देखा कि अपने विचारों को सकारात्मक रखकर हम किस प्रकार स्वयं भी लाभान्वित हो सकते हैं ।और अपने आसपास के वातावरण को भी खुशनुमा ,आशाजनक और सकारात्मक बना सकते हैं।

-गोवर्धन सिंह राठौर
एडवोकेट
आगरा

• नारी त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं तभी तो वह माँ कहलाने के योग्य है।

युवा –वर्ग में समाज चेतना की आवश्यकता

किसी भी देश समाज, जाति और समुदाय विशेष की संरचना ,युगीन परिवर्तन ,पुनरोत्थान एंव वर्ग की अहम् भूमिका होती है। जिसका युवावर्ग दिशाहीन ,उद्देश्यहीन ,आत्मलिप्त और निराश होगा उस देश और समाज का वर्तमान भी उसके अतीत से बदतर होगा और भविष्य दुखमय, पराधीन एंव अंधकार पूर्ण होगा। इसलिए युवा वर्ग को निराशा के अंधेरों से निकाल कर सही दिशा में उसका मार्गदर्शन करना उतना ही आवश्यक है जितना कि उसको हर प्रकार के कुप्रभावों से बचाना आवश्यक है।

युवा वर्ग की चिन्ता कीजिए -- युवा वर्ग ऊर्जा का आपार भंडार ,शक्ति का उफनाता लावा ,प्रतिभा का कोष और मात्र में आबादी का आधा भाग होता हैं ।इसलिए वह सकारात्मक या निषेधात्मक रूप से समाज को प्रभावित किये बिना नहीं रह सकता । अतः युवा वर्ग के विषय में चिन्तन करना और उसके मार्ग दर्शन के लिए समय निकालना व्यक्तिगत रूप से एंव सामूहिक रूप से नितान्त आवश्यक है।

पिछले दशकों में हमारे युवा में चेतना आयी है- देश के किसी भूभाग में जिन परिवारों में सामाजिक चेतना के संस्कार थे उन परिवारों के युवा वर्ग में वह समाज चेतना सहज ही पल्लवित-पुष्पित हुई है। कतिपय परिवारों के युवक-युवती घर से बाहर अध्ययन के लिए निकलें और उन्होंने दूसरे समाजों में घुल-मिल कर सामाजिक जागरूकता का संस्कार ग्रहण किया। यही कारण है कि शिक्षा ,कला, साहित्य राजनीतिक मान-प्रतिष्ठा और संगठन के मामले में जो प्रगति आजादी के बाद हमारे समाज ने की है उसका काफी कुछ श्रेय युवा वर्ग को ही है।

मंथरगति से समाज विकास संतोष का विषय नहीं है- अन्य समाजों की तरह हमारा समाज भी लगभग 70 प्रतिशत की तादात में अभी भी ग्रामों में निवास करता हैं ।इतना ही नहीं ब्राह्मण ,ठाकुर और वैश्य वर्ग की अगड़ी जातियां जमींदार, जागीदार व पंच पटेल बन गयें और हम पर राज्य करते रहे और हम हर प्रकार की आर्थिक एंव सामाजिक पराधीनता को भाग्य के रूप में स्वीकार करते चले गये। इन सभी कारणो से हमारे समाज का विकास बड़ी धीमी मंथर- गति से हुआ है। जो संतोष करने लायक कदाति नहीं है।

केवल आर्थिक विकास का विकास नहीं होता

यदि हमारे 5 प्रतिशत भाइयों ने शहर में, परचूनी ,अनाज की दुकान खोल दी या पक्का मकान बना लिया और स्कूटर कार से भी सैर सपाटे करने या परिवार में एक भाई शिक्षक, एक पटवारी या चपरासी की नौकरी पा गया तो भी यह आर्थिक प्रगति पूरे समाज के लिये ऊँट के मुँह में जीरे के समान नगन्य है। जब तक हर नगर में ऑफिस में हमारे स्वजाजीय अफसर -बाबू और हर नगर में डाक्टर इंजीनियर, वकील, जज ,पत्रकार ,साहित्यकार ,रेडियो-टी० वी० उद्घोषक, विद्वान और सत्ता में सांसद, विधायक,मिनिस्टर , सरपंच ,पंच आदि हर प्रान्त और जिलों में न होंगे तब तक हमारी प्रगति शून्य हि मानी जायेगी।

समाज का चर्तुमुखी विकास तूफानी रफ्तार से होनी चाहिए -किसी भी समाज का स्तर ऊँचा करने के लिए उसका आर्थिक और बौद्धिक विकास समानुपात में होना चाहिए। यदि एक परिवार में पाँच भाई है तो एक कृषक एक राजनेता, एक प्रोफेसर ,एक व्यापारी ,एक डॉक्टर या इंजीनियर होना ही चाहिए । भले प्रत्येक भाई का अलग मकान/बंगला न हो किन्तु प्रत्येक को उच्च शिक्षा प्राप्त होनी चाहिए ।लड़कियों को प्रयत्न पूर्वक उच्च शिक्षा दिलाना चाहिए, शासकीय या कम्पनी आदि में सर्विस दिलाना चहिए और दहेज को महत्व न देकर उच्च शिक्षा प्राप्त पुत्र-वधुओं को घर में लाना चाहिए । परिवार के सभी सदस्यों को समाज-संगठन से जुड़ना चाहिए क्योंकि घर परिवार के प्रत्येक व्यक्ति में सामाजिक जागरूकता नितान्त आवश्यक है।

-साहू मधुप गुप्ता, एवोकेट

अशोक नगर (म० प्र०)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha (Reg.)

सम्पर्क कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ-226001
Office : Shubham Building, Cantt. Road, Kaisarbagh, Lucknow-226001

सहयोगी सदस्यता स्वीकृति-पत्र

सेवा में,

राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड

कैसरबाग, लखनऊ-226001

मान्यवर,

मैं साहू राठौर महासभा द्वारा चलाये जा रहे समाजोत्थान कार्यो से प्रभावित हूँ अतः इस महान यज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु विशिष्ट सदस्यता (3वर्ष हेतु) रू0 500/-, आजीवन सदस्यता (15 वर्ष हेतु) रू0 1500/-, संरक्षक सदस्यता (आजीवन) रू0 2100/-में से..सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करें।

नाम श्री/श्रीमती..

पिता/पति का नाम..

जन्म तिथि..वर्तमान व्यवसाय/नौकरी/अन्य सेवा

कार्य... पता (निवास) ....

....कार्यालय :..पिन कोड.........................

फोन..............................मोबाइल..ई-मेल (यदि हो तो)...

.... शैक्षिक योग्यता..अभिरूचि..

..................सदस्यता शुल्क विवरण.. ....

....(चेक/मनीआर्डर/डी.डी.) पूरा उल्लेख करे।

स्थान : ....

दिनाँक : ....

सदस्य के हस्ताक्षर

(नोटः सदस्यता पूर्ण विवरण हेतु फार्म के पीछे अवश्य पढ़े।)

• किसी भी प्रकार की मित्रता के पीछे कुछ न कुछ स्वार्थ जरूर छिपा रहता है।

आदरणीय स्वजातीय बन्धु सादर नमस्कार !

मुझे इस सत्यता का भरपूर आभास है कि आप सभी के हृदय में समाजोत्थान की एक ललक व मन में पीड़ादायक एक टीस अवश्य समाई हुई है जिसके कारण आप समाज कार्यों में सहभागी बनकर अपने कर्त्तव्य के प्रति सचेष्ट हैं। आपके सामने एक कल्पना है, एक सपना है, एक योजना है ताकि सामाजिक उन्नति के बल पर आप अपने बच्चों का सर्वागीण विकास सुनिश्चित कर सकें ताकि भावी पीढ़ी को उत्तरोत्तर उन्नति करने का सुअवसर प्राप्त हो सके।

यह सुखद संयोग है कि 'उ0प्र0 साहू राठौर चेतना समिति जोकि भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा' की संस्थापक प्रान्तीय इकाई है, का कार्य विगत 1989 से सतत् रूप से चल रहा है। समिति के कार्य की यह निरन्तरता विशेष महत्वपूर्ण है। यह मेरी अपनी अवधारणा है कि सामाजिक संगठन किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। समाज की उन्नति में तो सभी की सहभागिता, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता का उपयोग व सहयोग होना चाहिए। हम इस समाज के अभिन्न अंग हैं अतः इस गुरूतर दायित्व के लिए हमें ही आगे आना होगा।

परन्तु यह सत्यता भी निर्विवादित है कि संगठन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए आर्थिक तंत्र को सबल रखना भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक कदम पर धन की आवश्यकता होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये सामाजिक बन्धुओं के मध्य सदस्यता अभियान प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ है।

सदस्यता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी

(1) विशिष्ट सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 500/-(पाँच सौ मात्र निर्धारित की गई है)। प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के समय विशिष्ट सदस्य को वोट देने का अधिकार होगा। रसीद कटने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक यह मान्य रहेगी। समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(2) आजीवन सदस्यता - इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 1500/- (एक हजार पाँच सौ मात्र) निर्धारित की गई है। रसीद कटने की तिथि से आगामी 15 वर्षों तक सदस्यता मान्य रहेगी। ऐसे आदरणीय सदस्य को समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(3) संरक्षक सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि रू0 2100/- (दो हजार एक सौ मात्र) सम्पूर्ण जीवन काल के लिए निर्धारित की गई है। सम्पूर्ण जीवन काल के लिए ऐसे आदरणीय सदस्य का समाजहित में सहयोग चिर स्मरणीय रहेगा। समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका स्वाभाविक रूप से आजीवन निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

अन्त में इसी दृढ़ विश्वास के साथ यह अनुरोध पत्र भेजा जा रहा है कि समाजोत्थान के इस यज्ञ में आपकी आर्थिक सहभागिता अवश्य प्राप्त होगी।

विशेष : इस पत्र के साथ सदस्यता स्वीकृति पत्र प्रेषित है।

सादर,

भवदीय

(गांधी रामनरायन साहू)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

• नारी को पवित्र दृष्टि से देखना चाहिए।

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

21 फरवरी 2015

समाज ही हमारी पार्टी है, समाज का विकास हमारा लक्ष्यः मोदी

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा का सम्मेलन आयोजित

ग्वालियर। हमारा समाज ही हमारी पार्टी है और समाज का विकास ही हमारा लक्ष्य है। हम किसी राजनीतिक पार्टी के नहीं है। समाज का विकास कैसे हो, इस पर मंथन करने के लिए हम यहां इकट्ठे हुए हैं।

यह बात भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के तत्वाधान में रविवार को आयोजित सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि अहमदाबाद से आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बड़े भाई सोम भाई मोदी ने कही। उन्होंने कहा कि पूरे देश का तैलिक समाज एकजुट है। समाज को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। इससे पूर्व उद्योग विभाग के महाप्रबंधक एमएल अटल ने उद्योग लगाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र साहू, संयोजक मेवालाल साहू, संभागीय मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र साहू, शरद साहू, नवल साहू, मनोज साहू, विनोद साहू एवं समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सोम भाई मोदी (काली जैकेट में) समाज की पत्रिका का विमोचन करते हुए।

सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाना जरूरी

■ पत्रकारों से चर्चा करते हुए सोम भाई मोदी ने कहा कि तैलिक सजाम में व्याप्त कुरीतियों पर रोक लगाना जरूरी है। इसके लिए समाज के लोगों को जागरुक किया जाएगा। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राजनीतिक तौर पर समाज पिछड़ा नहीं है।

भाऊ साहब पोतनीस योजना का केन्द्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया लोकार्पण

ग्वालियर। शहर स्मार्ट सिटी योजना में शामिल हो चुका है। स्थानीय लोगों को भी अपनी भागीदारी निभानी होगी। पिछले 10 साल में शहर का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है। इसलिए शहर विकास से जुड़ी संस्थाएं अगले 5 साल के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें। यह विचार केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने व्यक्त किए। श्री तोमर ने रविवार को भाऊ साहब पोतनीस योजना का लोकार्पण किया। श्री तोमर ने कहा कि जीडीए, नगर निगम, साडा सहित विधायकों को विजन डॉक्यूमेंट तैयार कराना चाहिए जिसके आधार पर अगले 5 साल तक शहर का विकास किया जा सके। शहर को स्मार्ट सिटी में शामिल कराने के लिए नगर निगम ने भी लोगों से 1 लाख सुझाव लिए हैं। उन्होंने कहा कि भाऊ साहब समर्पित राजनेता थे। वे हमेशा समाज व राष्ट्र के लिए बेहतर कार्य करते रहे।

स्वतंत्र वार्ता 23 मई स्वतंत्र मेल

CBSE XII result: Lucknow cancer survivor scores high

Correspondent

LUCKNOW: When all other students were busy preparing for the final exams, 19 years old Shubhank Shukla, a student of DAV Public School, BRS Nagar was undergoing chemotherapy to fight with Acute Lymphatic leukemia (ALL)- a type of cancer. However, fighting all odds, Shubhank managed to score 83 percent marks in the class XII-Non-medical stream.

Shubhank who hails from Lucknow shifted here in the city last year. The very first challenge for their parents was to get him admission in a good school as she was an average student because of his health issues. However understanding his medical condition DAV Public School, BRS Nagar accepted him and gave him admission in class XII.

Sbhubhank said, "I was diagnosed with Acute Lymphatic leukemia (ALL), which is a type of cancer, in class VI. This 'diseased stopped my growth and made me skinny. I was unable to stand or to walk for a long time.".

IAS select Shalesh and High School topper Nisha honoured by Ram Narayan Sahu. Chief of the Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha UP at Gandhi bhawan.

नई दुनिया 05 ... पेज 31 दिस.

अमर उजाला

मेरी कामयाबी के लिए पापा ने अपनी खुशियों से किया समझौता

10वीं

No.3 निशा साहू (कानपुर) 587 अंक (97.83%)

हाईस्कूल में प्रदेश में 97.83 प्रतिशत के साथ तीसरी रैंक पाने वाली निशा साहू को जब फोन पर रिजल्ट के बारे में पता चला तो वह रो पड़ीं। बेटी को रोता देख पिता रामशंकर साहू ने मोबाइल अपने हाथ में ले लिया। शिवाजी इंटर कॉलेज आर्य (कानपुर) के प्रिंसिपल से बेटी की सफलता की जानकारी मिलते ही उनकी आंखों से भी खुशी के आंसू छलकने लगे। पिता के आंसू देख बेटी उनसे लिपट पड़ी। मां संगीता साहू भी अपने आंसू नहीं रोक पाईं। फतेहपुर के ... अमौली के मूल निवासी रामशंकर साहू ने इसी दिन के लिए अपनी खुशियों का गला घोंट दिया था। दो बेटियों के पिता रामशंकर के आंसू स्कूल में भी छलके। बोले, साहब, बेटी ने सिर ऊंचा कर दिया। ... कॉलोनी नौबस्ता में छोटे से घर में रहने वाली निशा ने 10-12 घंटे पढ़ाई की। ... में ... रामशंकर साहू ने आठ हजार महीने की नौकरी में भी दोनों बेटियों की पढ़ाई से कोई समझौता नहीं किया।

... पर विशेष आवश्यकता

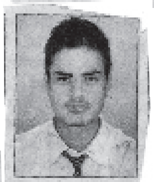

शशांक साहू
90.4

दैनिक जागरण

मैं पिछले दो साल से कथक सीख रही हूं। मैं लखनऊ महोत्सव, ... उत्सव, ताज महोत्सव समेत मुख्यमंत्री के सामने भी प्रस्तुति दे चुकी हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं कथक सीख रही हूं। मैं ... को अपना आदर्श मानती हूं। उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। – संस्कृति साहू

अगस्ता मामले में जिम्मेदारी से नही मुकर सकती कांग्रेसः रामनारायण साहू

यूनाइटेड ब्यूरो

लखनऊ, ५ मई। पूर्व राज्य सभा सदस्य और वरिष्ठ भाजपा नेता रामनारायण साहू ने कहा कि कांग्रेस पर अगस्ता मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय से मिले साक्ष्यों के आधार पर जो भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं उससे वह मुकर नहीं सकती। उन्होंने कहा कि अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर की खरीद में भ्रष्टाचार हुआ था। इसकी जांच चल रही है। भाजपा सरकार इस मामले में घूस लेने वालों की असलियत देश के सामने शीघ्र लाएगी।

श्री साहू ने कहा कि भाजपा सरकार उन लोगों की भूमिकाओं पर जांच को केंद्रित कर रही है जिनके नाम इटली की अदालत के फैसले में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में हेलीकॉप्टर की खरीद के लिए मानक बदले गए। उड़ने के लिए तय ऊंचाई ६ हजार मीटर को घटाकर ४.५ हजार मीटर की गई। उन्होंने कहा कि जो हेलीकॉप्टर भारत ने खरीदा उसका परीक्षण नहीं हुआ था। साथ ही इस सौदे को सिर्फ अगस्ता को ही देने के लिए केबिन की ऊंचाई को १.८ मीटर करने का फैसला किया गया। क्योंकि बाकी कोई भी कंपनी ऐसे केबिन वाले हेलीकॉप्टर नहीं बनाती है। उन्होंने कहा, 'देश जानना चाह रहा है कि इस भ्रष्टाचार में कौन शामिल था, इसे किसका समर्थन हासिल था और इस सौदे में किसने घूस ली? सरकार यह पता लगाएगी।

हम इसे यूं ही जाने नहीं दे सकते।' अगस्ता मामले में मार्च २००५ के बाद से एक ही कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए सौदे की शर्तें बदली गईं। २०१२ में पहली रिपोर्ट में डील पर सवाल उठे और २०१४ में सरकार ने कंपनी पर कदम उठाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि सारे तथ्य कैग रिपोर्ट पर आधारित हैं। मार्च २००३ में पीएमओ ने बदलाव किया क्योंकि सिर्फ एक ही कंपनी

रेस में थी। उन्होंने कहा कि सौदे में भ्रष्टाचार हुआ है और इससे किसको फायदा हुआ यह पता लगाया जाना चाहिए और सरकार यह करेगी। यूपीए १ में केबिन हाइट की शर्तें बदलीं। इस समय सौदे पर ११ से केवल ६ कंपनी रह गईं। फिर शर्तों में एक बार और बदलाव हुआ और अगस्ता ही अकेली कंपनी रह गई। इस सौदे में नियमों की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा, कि इस सौदे में कांग्रेस की अगुआई वाली सरकार का पूरा जोर इस बात पर था कि एक ही वेंडर का नाम रहे।

80 प्रतिभाशाली छात्र हुए सम्मानित

[illegible]

... बच्चों को पुरस्कार दिए। ... विवाह संस्कार पेश की।

साहू समाज के पदाधिकारियों का सम्मान

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की मासिक बैठक रविवार को गांधी भवन ... में हुई। पूर्व सांसद रामनारायण साहू ने नव निर्वाचित महासभा के पदाधिकारियों को सम्मानित किया। रामनारायण साहू ने बताया कि ... में राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के बड़े भाई सोम भाई मोदी होंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदेश भर के जिलों से प्रतिनिधि आएंगे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रामप्यारे साहू, नगर अध्यक्ष आजमगढ़ विनय साहू, प्रदेश संगठन मंत्री विजय साहू, नगर अध्यक्ष लखनऊ शिवम साहू थे।

संकलन – राजेश साहू– मीडिया प्रभारी मो0 9453973001

- Shahu's Garden High School & Jr. College. Shahu Garden, Manewada Road, Nagpur.

- Shahu's Garden, Pre-Primary, Primary & Middle School, Shahu Nagar, Nagpur.

- Priyadarshini Indira Gandhi Marathi Prathamik School, Shahu Nagar, Nagpur.

- Prameshti Mentally Retarded Children's School Shahu Layout, Hudkeshwar Road, Nagpur.

- Shahu's Vrundavan Lawn & Hall, Shahu Nagar, Manewada-Besa Road, Nagpur.

- Shahu's VANDAN Sanitary Shopee Shahu Nagar, Manewada-Besa Road, Nagpur.

Firm :

- ☆ **M/s. Shahu Traders- Grain, Poha, Murmura Wholesale Merchant Anaj Bazar, Itwari, Nagpur.**
- ☆ **Shahu Housing Finance & Development Company Pvt. Ltd.**
- ☆ **Shahu Builders & Developers, Nagpur.**
- ☆ **Shahu's Vrundavan Lawn & Hall, Nagpur.**
- ☆ **Shahu's Vandan Sanitary Shopee, Nagpur.**

Developed Layouts & Apartments- Shahu Nagar, Besa Road, Nagpur ; Shahu Vihar -1 Besa, Nagpur ; Shahu Vihar- 2 Besa, Nagpur; Shahu-Banode Nagar 3 Besa, Nagpur; Shahu Layout -1 Hudkeshwar Road,Nagpur ; Shahu Layout-2 Hudkeshwar Road, Nagpur; Shivanand Apartment,Hanuman Nagar, Nagpur; Vaishnav Apartment, Ayodhya Nagar, Nagpur.

मॉं गायत्री हास्पिटल

डा. वी.के.साहू   डा. योगेन्द्र साहू   मुकेश कु.साहू

माँ गायत्री हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

ISO 9001 : 2008 द्वारा प्रमाणित हास्पिटल

इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

माँ पर्वती डायग्नोस्टिक

उपलब्ध सेवायें

- अल्ट्रासाउन्ड, एक्सरे, पैथालॉजी, E.C.G. व समस्त प्रकार के टीकाकरण।
- शुगर, चेस्ट, पेट, लीवर, गुर्दे, पेशाब, ब्लड प्रेशर आदि का इलाज योग्य डाक्टरों द्वारा।
- आधुनिक विधियों द्वारा समस्त प्रकार के आपरेशन बिना चीरा टाँका दूरबीन विधि द्वारा एवं प्लास्टिक सर्जरी द्वारा ।
- महिलाओं से सम्बन्धित-प्रसव (डिलीवरी), बाँझपन, नसबन्दी, मल्टीलोड आदि की सुविधा व परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारियाँ।
- नवजात शिशुओं के लिये वारमर एवं फोटोथिरेपी (पीलिया कम करने की मशीन) की सुविधा उपलब्ध।

डा. वी. कुमार साहू कन्सलटैन्ट फिजीशियन (प्रबन्धक)

बी.-515 हंसपुरम, (एस.जे.इण्टर कालेज पुलिया), चन्दन धर्म कॉटा के सामने,
हमीरपुर रोड, नौबस्ता, कानपुर
सम्पर्क करें
हास्पिटल : 9838001016, फैक्स - 0512-2626127
मो.9839931015, 9235735427
ईमेल : maagayatrihospital515@gmail.com